R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 162 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 22 मई 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

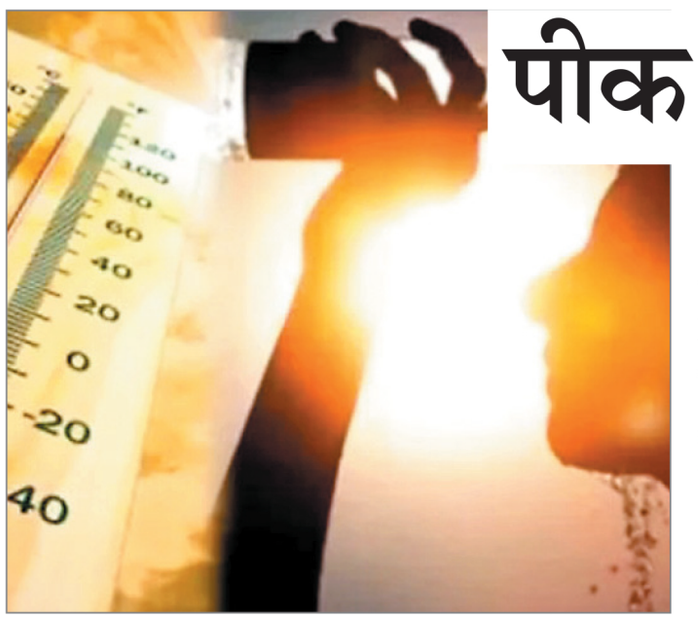

पीक पर गर्मी, झुलसा रहे 'लू' के थपेड़े

● अगले 7 दिन 10 राज्यों में चलेंगी गर्म हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में गर्मी अपने पीक पर है। इस बीच मौसम एजेंसी स्काईमेट ने अरब सागर के ऊपर नया सिस्टम बनने की जानकारी दी है, जो मानसूनी हवाओं को कमजोर कर सकता है। इससे केरल समेत दक्षिण भारत में बारिश कम होने की आशंका है। एजेंसी ने यह भी कहा है कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगले एक हफ्ते तक सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी। एजेंसी के मुताबिक इस दौरान इन राज्यों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा रहेगा। वेस्टर्न

डिस्टर्बेंस कमजोर होने और कोई ऐक्टिव वेदर सिस्टम नहीं होने की वजह से बारिश की कोई संभावना नहीं है।

शहरों में फील टेंपरेचर 4 सेंटीग्रेट तक अधिक

वास्तविक तापमान और फील टेंपरेचर में हर शहर में औसत 2 से 4 डिग्री तक का अंतर है। क्लाइमेट एक्सपर्ट के मुताबिक, मौसम विभाग जो तापमान बताता है, लोगों को उससे कहीं ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण तेजी से होता शहरीकरण है। इससे तापमान में उछाल आ रहा है। फील फैक्टर तेजी से बढ़ता जा रहा है। भारत को भिगोने वाले दक्षिणी-पश्चिमी मानसून ने मंगलवार को कोमरिन सागर, श्रीलंका, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी भाग के कुछ और हिस्सों को कवर कर लिया।

यूपी में अगले 5 दिनों तक चलेगी हीटवेव

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 5 दिन तक पूरे प्रदेश में गर्मी रहेगी। आज हीटवेव का 11 जिलों में रेड, 14 जिलों में ऑरेंज और 28 जिलों में यलो अलर्ट है। ज्यादातर जिले लू की चपेट में रहेंगे। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। दिन का तापमान 44 से 48 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं राजस्थान में गर्मी और हीटवेव का असर तेज हो गया है। सिरोही को छोड़कर राज्य के सभी जिलों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 से 47 डिग्री के बीच रहा। जयपुर में रात की गर्म बनी हुई हैं। मंगलवार को यहां मिनिमम तापमान 31.3 रहा। बिहार में आज 33 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने 14 जिलों में ऑरेंज और 18 में यलो अलर्ट जारी किया है। अगर बारिश होती है तो अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

इंस्टाग्राम पर छाई 'कॉकरोच जनता पार्टी', 4 दिन में 1.05 करोड़ फॉलोअर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों "कॉकरोच जनता पार्टी" नाम का इंस्टाग्राम अकाउंट तेजी से चर्चा में है। महज चार दिनों के भीतर इस अकाउंट के फॉलोअर्स की संख्या 1.05 करोड़ के पार पहुंच गई है। खास बात यह है कि फॉलोअर्स के मामले में इस अकाउंट ने भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल को भी पीछे छोड़ दिया है। जानकारी के मुताबिक, बीजेपी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर करीब 87 लाख फॉलोअर्स हैं, जबकि कॉकरोच जनता पार्टी का अकाउंट अब उससे काफी आगे निकल चुका है। इससे पहले इस अकाउंट ने केवल 48 घंटे में 5.5 लाख और तीन दिन में 62 लाख फॉलोअर्स का आंकड़ा पार कर लिया था। कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा पोस्ट किए गए कई वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। कुछ वीडियो को 1 करोड़ से ज्यादा व्यूज भी मिल चुके हैं। इन वीडियो में व्यंग्य, मजाक, गुस्सा

और सामाजिक मुद्दों का मिश्रण देखने को मिलता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग खुद को इससे जोड़ रहे हैं। सोशल मीडिया विशेषज्ञों के अनुसार, इंस्टाग्राम का एल्गोरिद्म ऐसे कंटेंट को तेजी से आगे बढ़ाता है, जिसे शुरुआत में ज्यादा लाइक, शेयर और कमेंट मिलते हैं। इसी वजह से यह अकाउंट बेहद कम समय में वायरल हो गया। हालांकि, यह अब भी साफ नहीं है कि इस अकाउंट के सभी फॉलोअर्स वास्तविक हैं या नहीं। बावजूद इसके, इंटरनेट पर "कॉकरोच जनता पार्टी" ने लोगों का ध्यान तेजी से अपनी ओर खींचा है और यह सोशल मीडिया की नई वायरल सनसनी बन चुकी है।

दक्षिणी लेबनान में इजरायल के हमले तेज, हवाई स्ट्राइक और गोलाबारी से बढ़ा तनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और लेबनान के बीच तनाव एक बार फिर गहराता नजर आ रहा है। सीजफायर की घोषणा के बावजूद दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाई लगातार जारी है। हवाई ड्रोन हमलों और तोपों से गोलाबारी के कारण सीमावर्ती इलाकों में दहशत और तनाव बढ़ गया है। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के अनुसार, टायर जिले में तोरा और जेनाता को जोड़ने वाली सड़क पर ड्रोन हमले किए गए। वहीं मरजायून जिले के काब्रिखा गांव को भी तोपों से निशाना बनाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टायर के दक्षिण में अल-हन्निये गांव के पास किसानों के नजदीक "साउंड बम" भी गिराए गए। हालांकि इन हमलों में किसी के मारे जाने की पुष्टि नहीं हुई है। इधर, लेबनान के राष्ट्रपति Joseph Aoun ने गृह मंत्री अहमद हजर के साथ बैठक कर देश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। बैठक में सीमा सुरक्षा मजबूत

करने और जमीन, समुद्र एवं हवाई मार्गों पर निगरानी बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने हालिया हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 होने की पुष्टि की है, जबकि तीन लोग घायल बताए गए हैं। मंत्रालय ने इस घटना को "दीर कानून अन-नाहेर नरसंहार" करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को टायर जिले के दीर कानून अन-नाहेर इलाके पर हुए हमले में एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हुई थी। मृतकों में तीन बच्चे, उनके माता-पिता और दादा-दादी भी शामिल थे। लगातार बढ़ती सैन्य कार्रवाई के चलते क्षेत्र में हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं।

कुर्बानी और नमाज पर बंगाल में सियासत तेज, हुमायूं कबीर की शुभेंदु अधिकारी को चेतावनी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बकरीद से पहले खुले में नमाज और कुर्बानी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आम जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने भाजपा और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय कुर्बानी के मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। न्यूज एजेंसी से बातचीत में हुमायूं कबीर ने कहा, "संविधान का सम्मान होना चाहिए, लेकिन कुर्बानी होगी। गाय, बकरा और ऊंट जैसे जिन पशुओं की कुर्बानी जायज

है, वह जारी रहेगी। मैं भाजपा सरकार और शुभेंदु अधिकारी को चेतावनी देता हूं कि आग से मत खेलो।" उन्होंने आरोप लगाया कि यदि कुर्बानी पर रोक लगाने की कोशिश की गई तो हालात बिगड़ सकते हैं। कबीर ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग बीफ का सेवन करते हैं और सरकार को पहले स्लॉटर हाउस बंद करने चाहिए, जिन्हें कानूनी लाइसेंस दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार खुद बीफ निर्यात से राजस्व कमाती है। खुले में नमाज को लेकर भी उन्होंने कहा कि ईद की नमाज के लिए सरकार को बड़े मैदान उपलब्ध कराने चाहिए। यदि पर्याप्त व्यवस्था नहीं होगी तो लोग सड़कों पर नमाज पढ़ने को मजबूर होंगे। वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि सड़कों पर नमाज का विरोध किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि "तुष्टीकरण" की राजनीति के खिलाफ है। भाजपा नेताओं ने तर्क दिया कि कई इस्लामिक देशों में भी सार्वजनिक सड़कों पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं है। इधर, पश्चिम बंगाल सरकार ने बकरीद से पहले सार्वजनिक नोटिस जारी कर फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना गाय और भैंस की हत्या पर प्रतिबंध दोहराया है। सरकार ने कहा है कि नियमों के उल्लंघन पर छह महीने तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है।

पीयूष गोयल: भारत-अमेरिका साझेदारी से बढ़ेगी वैश्विक ताकत

नई दिल्ली। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बढ़ता सहयोग 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के वार्षिक लीडरशिप समिट में उन्होंने कहा कि दोनों देश प्रौद्योगिकी, रक्षा, डिजिटल डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग और चिकित्सा उपकरण जैसे क्षेत्रों में एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी कंपनियों से भारत को 60 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश मिला है, जिसमें Amazon और Google के बड़े निवेश शामिल हैं।

गोयल ने कहा कि भारत वैश्विक कंपनियों को मजबूत बाजार, कुशल मानव संसाधन और भरोसेमंद कारोबारी माहौल दे रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार एमएसएमई को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने और भारत को डिजाइन, नवाचार व विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

महिला वकीलों को 30% आरक्षण की मांग

-सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई याचिका

नई दिल्ली। देश के कानूनी पेशे में महिलाओं की कम भागीदारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया में एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका दायर की गई है। 'लाड़ली फाउंडेशन ट्रस्ट' की ओर से दाखिल इस याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों के लॉ ऑफिसर पैनल, सरकारी वकीलों की नियुक्तियों और सार्वजनिक उपक्रमों में महिला वकीलों के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गई है। याचिका पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने महिला वकीलों के प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता जताई। पीठ में जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विमलेश पी. पांचोली भी शामिल रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने अदालत में कहा कि आजादी के बाद से अब तक किसी भी महिला वकील को भारत का अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल नहीं बनाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि देशभर के हाईकोर्ट में केंद्र सरकार का पक्ष रखने वाले एडिशनल

सॉलिसिटर जनरल पदों पर भी कोई महिला नियुक्त नहीं है। याचिका में कहा गया है कि सरकारी वकीलों के पैनल भविष्य में न्यायपालिका के लिए "फीडर पूल" का काम करते हैं। यदि इन पैनलों में महिलाओं की भागीदारी नहीं होगी, तो उच्च न्यायपालिका में उनका प्रतिनिधित्व भी सीमित रहेगा। याचिका के अनुसार, देश में बार काउंसिल में पंजीकृत 15.4 लाख वकीलों में केवल 2.84 लाख महिलाएं हैं, जो कुल संख्या का करीब 15 प्रतिशत है। वहीं 1989 में जस्टिस एम. फातिमा बीवी के पहली महिला सुप्रीम कोर्ट जज बनने के बाद अब तक केवल 11 महिलाएं ही शीर्ष अदालत तक पहुंच सकी हैं। सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत ने कहा कि कई बार सरकारी पैनल में शामिल महिला वकीलों को महीनों तक कोई केस लड़ने का अवसर नहीं मिलता, जो गंभीर चिंता का विषय है।

संजय राउत का राहुल गांधी के बचाव में बड़ा बयान, बोले- "राजीव गांधी के बेटे हैं, सोच-समझकर बोलते हैं"

नई दिल्ली। राहुल गाँधी के 'गद्दार' वाले बयान को लेकर देश की राजनीति में घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच लगातार बयानबाजी जारी है। इसी बीच संजय राउत ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कोई साधारण नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और वे हर बात सोच-समझकर बोलते हैं। मीडिया से बातचीत में संजय राउत ने कहा कि बीजेपी हमेशा आक्रामक राजनीति करती आई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक बड़े राजनीतिक परिवार से आते हैं और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी के बेटे हैं, इसलिए उनके बयानों को हल्के में नहीं

लिया जाना चाहिए। राउत ने कहा कि आज सिर्फ राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि कई बड़े नेता भी ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में बीजेपी और आरएसएस को आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर देश का माहौल ऐसा क्यों बनता जा रहा है। इस दौरान संजय राउत ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों ने जिस आतंकी 'लंगड़ा' को हमले का मुख्य साजिशकर्ता बताया है, वह अब भी पाकिस्तान में बैठा हुआ है। राउत ने सवाल किया कि अगर 'ऑपरेशन सिंदूर' का उद्देश्य आतंकियों को उनके घर में घुसकर खत्म करना था, तो अब तक उस आतंकी के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि देश की जनता चाहती है कि आतंकवादियों को जल्द पकड़कर कड़ी सजा दी जाए। देश की आर्थिक स्थिति को लेकर भी राउत ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और आम आदमी महंगाई से परेशान है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने लोगों की कमर तोड़ दी है। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री विदेश दौरों और भाषणों में व्यस्त रहते हैं, लेकिन जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाना भी जरूरी है, ताकि आम लोग सुकून से जिंदगी जी सकें।

सरकार का भरोसा: पेट्रोल-डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सरकार ने लोगों से घबराहट में ईंधन खरीदारी न करने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। सरकार ने बताया कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया गया है। पिछले तीन दिनों में 1.34 करोड़ से अधिक एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। जमाखोरी रोकने के लिए देशभर में 5,000 से ज्यादा छापेमारी की गई है। सरकार ने यह भी कहा कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और देश के बंदरगाहों पर संचालन सामान्य रूप से जारी है।

पीएम मोदी का सम्मान पूरे देश का सम्मान है: हरभजन सिंह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ऑफ स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह 'बिलियनेयर्स फॉर पीस कॉन्क्लेव' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मुंबई में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन में समाज में शांति की स्थापना करने वालों को सम्मानित करने के लिए किया गया था। इसमें हरभजन सिंह का भी नाम था। हरभजन ने कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री को इटली में मिले एग्रीकोला पदक को उन्होंने देश का सम्मान बताया। मीडिया से बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, "समाज की बेहतरी के लिए काम करने वालों को सम्मानित करना बेहतरीन काम है। समाज में शांति के लिए काम करने वाले और भी लोग चाहिए। यहां आकर और सम्मानित होकर अच्छा लग रहा है। मैं इन लोगों के साथ रहूंगा और अपने स्तर से जो भी बेहतर हो सकेगा, करूंगा।" दुनिया में बढ़ महंगाई पर हरभजन ने कहा, "मौजूदा समय में विश्व तेल और सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से परेशान है। इस परेशानी की वजह दुनिया में शांति का न होना है। अगर

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध नहीं होता, तो ये समस्याएं नहीं होतीं। उम्मीद करते हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकलेगा और महंगाई की समस्या से दुनिया को निजात मिलेगी।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली दौरे के दौरान 'एग्रीकोला पदक' से सम्मानित किया गया है। हरभजन सिंह ने कहा कि पीएम का सम्मान देश का सम्मान है। हमें इस पर गर्व है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली यात्रा के दौरान वहां की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को उपहार स्वरूप चॉकलेट दी थी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसकी आलोचना करते हुए कहा था कि देश कई समस्याओं से जूझ रहा है और प्रधानमंत्री चॉकलेट दे रहे हैं। इस पर हरभजन सिंह ने कहा कि विपक्ष का काम हर बात की आलोचना करना है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा।

तमिलनाडु कैबिनेट में बड़ा फेरबदल, CM विजय ने 23 नए मंत्रियों को दी जिम्मेदारी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सरकार गठन के कुछ ही दिनों बाद मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ मंत्रियों के विभागों में बदलाव किया है। साथ ही 23 नए मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल कर उन्हें अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था के तहत मुख्यमंत्री विजय ने लोक प्रशासन, गृह, पुलिस, नगर प्रशासन और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं। इसके अलावा विशेष पहल, गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण ऋण राहत जैसे विभागों की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी उन्होंने स्वयं संभाली है। मंत्रिमंडल फेरबदल में कई प्रमुख विभागों का पुनर्वितरण किया गया है। मंत्री एन. आनंद को ग्रामीण विकास, पंचायत, सिंचाई और लघु सिंचाई परियोजनाओं की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं आर. निर्मलकुमार बिजली, गैर-पारंपरिक ऊर्जा, कानून, न्यायालय और जेल विभाग संभालेंगे। के. ए. सेंगोत्तैयन को राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग सौंपा गया है। वे आपदा प्रबंधन, राजस्व प्रशासन और विधानसभा मामलों की निगरानी करेंगे। इसके अलावा नए मंत्रियों में श्रीनाथ को मत्स्य पालन, कमाली एस. को पशुपालन, सी. विजयलक्ष्मी को डेयरी विकास और आर. वी. रंजीतकुमार को वन विभाग दिया गया है। कांग्रेस को भी इस फेरबदल में अहम जिम्मेदारियां मिली हैं। कांग्रेस नेता राजेश कुमार एस. को पर्यटन विभाग सौंपा गया है, जबकि कांग्रेस विधायक P. Viswanathan को उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा कुमार आर. को नवगठित कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा विभाग का नेतृत्व दिया गया है। वहीं वित्त, योजना एवं विकास विभाग एन. मैरी विल्सन को सौंपा गया है। राजनीतिक जानकार इस फेरबदल को मुख्यमंत्री विजय की प्रशासनिक रणनीति और संतुलित सत्ता प्रबंधन के रूप में देख रहे हैं, जिसमें सहयोगी दलों को भी प्रतिनिधित्व देने की कोशिश दिखाई दे रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

भीषण गर्मी में भी काम करने वालों के बारे में सोचें

देश में गर्मी अब सिर्फ एक मौसम नहीं रही, बल्कि यह एक गंभीर संकट का रूप लेती जा रही है। केंद्र सरकार ने हाल ही में राज्यों को सलाह दी है कि वे हीट वेव यानी लू से निपटने के लिए पहले से तैयारी रखें—जैसे छायादार शेड, पीने के पानी की व्यवस्था और अस्पतालों में लू के मरीजों के लिए विशेष इंतज़ाम। लेकिन यह सलाह बाध्यकारी नहीं है, इसलिए जमीनी स्तर पर इसकी अमलदारी अलग-अलग राज्यों में अलग दिखाई देती है। मौसम विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि आने वाले समय में हीट वेव और भी ज्यादा तीव्र और लंबी हो सकती है। इसका असर सिर्फ स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि कृषि और आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ेगा। खासकर खरीफ फसलों पर इसका बड़ा नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। एल नीनो और ला नीना जैसे मौसमीय पैटर्न के बदलते प्रभाव ने स्थिति को और भी जटिल बना दिया है। सबसे ज्यादा चिंता का विषय असंगठित क्षेत्र के वे करोड़ों कामगार हैं जो इस भीषण गर्मी में भी अपनी रोज़ी-रोटी के लिए बाहर निकलने को मजबूर हैं। देश में लगभग 48–50 करोड़ असंगठित श्रमिक हैं, जिनमें से कई करोड़ शहरों में दैनिक कमाई पर निर्भर हैं। नीति आयोग के अनुसार गिग वर्कर्स की संख्या करीब 1.10 करोड़ है, जबकि कुछ निजी आकलनों के अनुसार यह संख्या 5–6 करोड़ तक पहुंच सकती है, यदि डिलीवरी, फील्ड वर्क और अन्य अस्थायी कामगारों को भी शामिल किया जाए। इन कामगारों की कमाई उनके काम की गति पर निर्भर करती है। जितना ज्यादा काम, उतनी ज्यादा आय। यही कारण है कि जब तापमान 45 डिग्री के पार चला जाता है, तब भी ये लोग सड़कों पर स्कूटी और साइकिल लेकर डिलीवरी करने निकल पड़ते हैं। दूसरी तरफ, उपभोक्ता वर्ग एसी कमरों में बैठकर सुविधाओं का आनंद लेता है। यह असंतुलन समाज को सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी विकास की परिभाषा में इन मेहनतकश लोगों की सुरक्षा और सम्मान पर्याप्त रूप से शामिल है? 18वें वित्त आयोग द्वारा हीट वेव को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की सिफारिश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब समय आ गया है कि सरकारें, कंपनियां और समाज मिलकर ऐसे श्रमिकों के लिए ठोस नीति बनाएं—जिसमें काम के घंटे, सुरक्षा उपकरण और गर्मी से बचाव के उपाय अनिवार्य हों। क्योंकि विकास तभी सार्थक है जब सबसे नीचे खड़ा इंसान भी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे।

भारतीय राजनीति में बढ़ता अपराध

अपराधमुक्त राजनीति से ही संभव है नया भारत-विकसित भारत

ललित गर्ग

राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दागी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दागी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है....

भारत आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विराजनीति और कूटनीति के केंद्र में उभर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय राजनीति में अपराध, धनबल और बाहुबल की बढ़ती पैठ लोकतंत्र की आत्मा को आहत कर रही है। यह विडंबना ही है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनने का स्वप्न दिखाया जा रहा है, उसकी राजनीति अभी भी अपराधमुक्त नहीं हो सकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए आंकड़ों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लगभग 65 प्रतिशत विधायक आपराधिक मामलों वाले हैं, जबकि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार 294 विधायकों में से 190 विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए हैं तथा लगभग 142 विधायकों पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और अन्य गंभीर मामले भी शामिल हैं। यह केवल पश्चिम बंगाल की स्थिति नहीं है। संसद और देश की अनेक विधानसभाओं की स्थिति भी इससे बहुत अलग नहीं है। पिछले कुछ वर्षों के चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि चुनकर आए हैं जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। लोकतंत्र के मंदिरों में अपराध और दागी छवि वाले लोगों की बढ़ती उपस्थिति आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजनीति मूलतः लोकसेवा, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम मानी गई थी। महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को मूल्य आधारित दिशा दी। लेकिन समय के साथ राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दागी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दागी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। बड़े संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से प्रभावशाली लोग चुनावी प्रक्रिया में अधिक सक्रिय हो रहे हैं। दूसरा कारण है बाहुबल और प्रभाव का उपयोग। कई क्षेत्रों में आज भी राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है। तीसरा कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों के वर्षों तक लंबित रहने के कारण आरोपी चुनाव लड़ते रहते हैं और जनप्रतिनिधि बन जाते हैं। राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है धनबल। पश्चिम बंगाल विधानसभा के आंकड़े बताते हैं कि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखाई देती है। संसद और विधानसभाओं में करोड़पति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से दूर होता जा रहा है? यदि राजनीति केवल धनवान और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित हो जाएगी तो लोकतंत्र की समावेशी भावना कमजोर होगी। इन परिस्थितियों में नागरिक समाज और लोकतांत्रिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारतीय मतदाता संगठन इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इसके संस्थापक रिखबचंद जैन के नेतृत्व में लंबे समय से राजनीति को स्वच्छ और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं। संगठन मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान, स्वच्छ राजनीति और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मूल्य आधारित व्यवस्था मानते हुए यह संगठन समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है कि मतदाता केवल जाति, धर्म, क्षेत्र या दलगत निष्ठा के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार के चरित्र और सार्वजनिक जीवन को देखकर मतदान करें। इसी प्रकार एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) जैसे संगठन भी चुनावी पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की पृष्ठभूमि सार्वजनिक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इन संगठनों के कारण आज मतदाताओं को उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों, संपत्ति और शिक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध हो रही है। यह लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।राष्ट्रीय चुनाव आयोग भी इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद राजनीतिक दलों को उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीदवारों को शपथपत्र में अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति और देनदारियों की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है।

आतंकवाद विरोधी दिवस

योगेश कुमार गोयल

घाटी में खिल रही उम्मीदें हार रहा आतंक का अंधकार

भारत सदियों से शांति, सहअस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहां विविधताओं में एकता केवल संविधान की अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन पद्धति रही है। इसी भारत को लंबे समय से आतंकवाद जैसी भयावह चुनौती का सामना भी करना पड़ रहा है। आतंकवाद ने केवल देश की सीमाओं को नहीं ललकारा, बल्कि समाज की आत्मा, राष्ट्रीय एकता और मानवीय मूल्यों पर भी प्रहार किया है। यह ऐसा अभिशाप है, जिसने हजारों निर्दोष नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और युवाओं की जिंदगी छीन ली। भारत ने इस चुनौती का मुकाबला केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि लोकतांत्रिक धैर्य, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय संकल्प के साथ किया है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाकर देश आतंकवाद के विरुद्ध अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है।

यह दिवस हमें याद दिलाता है कि आतंकवाद केवल गोलियों और विस्फोटों का नाम नहीं बल्कि वह मानसिकता है, जो समाज में भय, विभाजन और अस्थिरता पैदा करती है। यह दिवस उन हजारों शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का भी अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। यह दिन नागरिकों, विशेषकर युवाओं को संदेश देता है कि हिंसा और कट्टरता का रास्ता केवल विनाश की ओर ले जाता है जबकि शिक्षा, संवाद, लोकतंत्र और विकास ही स्थायी शांति के मार्ग हैं। यदि भारत में आतंकवाद की सबसे बड़ी त्रासदी का कोई प्रतीक क्षेत्र रहा है तो वह जम्मू-कश्मीर है। कभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सूफी परंपराओं और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए विख्यात कश्मीर घाटी तीन दशकों से आतंक और अस्थिरता की विभीषिका झेलती रही है। 1990 के दशक में शुरू हुआ आतंकवाद केवल स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सीमा पार से प्रायोजित सुनियोजित षड्यंत्र था, जिसका उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता को कमजोर करना था। दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 से 2024 के बीच जम्मू-कश्मीर में 22 हजार से अधिक आतंकी घटनाएं दर्ज की गई। इन घटनाओं में लगभग पांच हजार नागरिकों की मौत हुई जबकि तीन हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। इसी अवधि में भारतीय सेना और सुरक्षा बलों ने 24 हजार से अधिक आतंकियों को मार गिराया। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच देशभर में 7217 आतंकी घटनाएं हुई थी, जबकि 2014 से 2024 के बीच यह संख्या घटकर लगभग 2242 रह गई। आतंकी घटनाओं में जनहानि में लगभग 70 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। नागरिकों की मौतों में 81 प्रतिशत और सुरक्षाबलों की शहादतों में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है।

ये आंकड़े केवल सांख्यिकीय उपलब्धियां नहीं, बल्कि भारत की बहुआयामी आतंकवाद विरोधी नीति की सफलता का प्रमाण हैं। यह भी सच है कि खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। वर्ष 2025 में पहलगाम के बैसरन क्षेत्र में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला इस बात का संकेत था कि आतंकवाद की जड़ें अब भी पूरी तरह उखड़ी नहीं हैं। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। यह हमला 2008 के मुंबई हमलों के बाद सबसे घातक नागरिक हमलों में माना गया। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद आज भी भारत की शांति और स्थिरता को बाधित करने का प्रयास कर रहा है। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और अल-बद्र जैसे संगठनों को अब भी वहां से आर्थिक, सामरिक और वैचारिक समर्थन प्राप्त होने के आरोप लगते रहे हैं। भारत की आतंकवाद विरोधी नीति (आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता) अब पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट और कठोर दिखाई देती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सेना या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज भारत जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहां यह विश्वास मजबूत होता दिखाई देता है कि आने वाले वर्षों में कश्मीर घाटी फिर से अमन, मोहब्बत और इंसानियत की पहचान बनेगी। वह दिन दूर नहीं, जब घाटी केवल चिनार की छांव, डल झील की शांति, बर्फ से ढके पहाड़ों और सूफी संगीत की मिठास के लिए जानी जाएगी। यह तभी संभव होगा, जब आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्रीय एकता, सतर्कता और विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे। भारत का यह संघर्ष केवल सुरक्षा की लड़ाई नहीं बल्कि सभ्यता, मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संघर्ष है और इस संघर्ष में भारत का संकल्प पहले से कहीं अधिक मजबूत दिखाई देता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भगवान के चरणों में अर्पित करना ही ज्ञान है

संकलित
दर्शन

सर्व सामर्थ्य होते हुए भी अहंशून्य होकर स्वयं को भगवान के चरणों अर्पित कर देना ही ज्ञान, भक्ति और कर्म की परिपूर्णता है। भगवान के परम भक्त बालिपुत्र अंगद ने रावण की सभा में अपना एक पैर रोपकर अपने मुष्टिप्रहार से रावण के दसों मुकुटों को सिर से गिरा दिया था, वहीं चार मुकुटों को बीच में उछालकर भगवान के पास भेज दिया था। लंका से लौटकर आए अंगद से जब भगवान श्रीराम ने पूछा कि तुमने ये मुकुट कहां और कैसे प्राप्त किए, तब अंगद ने धर्म और ईश्वर से विमुख व्यक्ति की तात्विक व्याख्या की है। अंगद विनम्र भाव से कहते हैं, प्रभु! ये चार मुकुट नहीं, राजनीति के चार पद हैं, जिन पर चलकर व्यक्ति व्यवहार करते हुए भी परमार्थ को प्राप्त कर लेता है। रावण आपसे और धर्म से विमुख हो चुका है, इसलिए राजनीति के चारों चरणों (साम, दाम, दंड और भेद) का दुरुपयोग कर रहा था, इस कारण मुकुट के रूप में ये चारों उसको छोड़कर आपकी शरण में आ गए हैं। रावण ने शेष छह मुकुट जो सिर पर धारण कर रखे हैं, वे साधक के जीवन में रहने वाली षड्संपत्ति (शम, दम, उपरति, तितीक्षा, श्रद्धा और समाधान) हैं। चूंकि रावण उनका भी दुरुपयोग कर रहा था, इसलिए ये षड्संपत्ति न रहकर विकार बनकर रावण के सिर पर शासन कर रहे हैं, जो उसके विनाश के कारण बनेंगे। मेरे प्रभु! गुण तो केवल वे ही हैं, जिन्हें आपने स्वीकारा है। शेष सब अवगुण ही हैं। गुणों का योग जब तक भगवान से नहीं होगा, तब तक व्यक्ति उसका उपयोग और कहां करेगा?

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भ्रम से बचने की सलाह दी

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। कुरुक्षेत्र में कौरव और पांडव पक्ष की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। संख्या और शक्ति के हिसाब से कौरवों की सेना ज्यादा अच्छी दिख रही थी। जब अर्जुन ने कौरव पक्ष में अपने परिवार, कुटुंब के लोगों को देखा तो वे भ्रमित हो गए। अर्जुन ने अपने सारथी यानी श्रीकृष्ण से रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण रथ लेाग युद्ध मैदान के बीच में ले गए। वहां पहुंचकर अर्जुन ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे यौद्धाओं को देखा। इन सभी को देखकर अर्जुन ने युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया और अपने धनुष-बाण नीचे रख दिए। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मेरे कुटुंब के सभी लोग मेरे सामने खड़े हैं, मैं उनसे युद्ध नहीं कर सकता।श्रीकृष्ण समझ गए कि अर्जुन भ्रम में फंस गए हैं। उस समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। भगवान ने समझाया कि जब लक्ष्य बड़ा हो तो सभी बातें चल सकती हैं, लेकिन भ्रम नहीं चल सकता है। तुम्हें अपने सारे भ्रम छोड़कर सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। जब हम अपने काम अधूरे मन और भ्रम के साथ करते हैं तो सफलता नहीं मिलती है। सफलता चाहते हैं तो सभी भ्रम दूर करते हुए, अपने काम पूरे मन से और एकाग्रता के साथ करना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

बहुत जरूरी है वन संपदा को आग से बचाना

हर वर्ष गर्मियों में देश के कुछ वन संपदा के धनी राज्यों में वनों में भयंकर आग लगने की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को मिलती हैं। आग किसी भी कारण से वनों में लगती है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ लोग गर्मियों के दिनों में बेकार की घास-फूस को जलाने के लिए वनों या खेतों में आग लगा देते हैं, जिससे घास-फूस के साथ ही सैकड़ों वृक्ष भी आग की बलि चढ़ जाते हैं जो कि प्रकृति से खिलवाड़ है और हरी-भरी वादियों के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। लोगों को चाहिए कि अगर वो खेतों से फालतू की घास-फूस को जलाना चाहते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह आग खेतों के साथ लगते वनों में न फैले। इससे एक तो वन संपदा नष्ट होती है, दूसरे कई जंगली जीव-जंतु-पक्षी जल कर नष्ट हो जाते हैं। – *संकेत अग्रवाल, सरायपाली*

ट्रेंड

प्रेरणादायक पहल

विद्यार्थियों द्वारा योगासन से दिन की शुरुआत करना एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल है। यदि बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन जाए, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे जीवन पर पड़ता है।
-**अन्नपूर्णा देवी,** केंद्रीय महिला विकास मंत्री

राहुल गांधी की हताशा

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ अमर्ष भाषा का प्रयोग राहुल गांधी की अत्यधिक हताशा का स्पष्ट संकेत है। घृणा फैलाना कांग्रेस की सच्ची राजनीति रही है। वे नेता और पार्टियां जो स्वयं आपातकाल के दाग और भ्रष्टाचार के इतिहास से घिरी हुई है, आज देशभक्ति का उपदेश दे रही है।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

उर्वरकों की कमी

आने वाले समय में सबसे बड़ा संकट यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की संभावित कमी है। भारत अपने अधिकांश उर्वरकों का आयात करता है, जो वर्तमान में बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।
- **अशोक गहलोत,** पूर्व सीएम, राजस्थान

पार्टी का शानदार प्रदर्शन

पंजाब के हर कोने में हमारी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा हो रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहेगा।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

ईरान परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर सकता है: वेंस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से विश्व स्तर पर ' 'परमाणु हथियारों की होड़'' शुरू हो जाएगी। वेंस ने साथ ही कहा कि अगर तेहरान शांति समझौते पर पहुंचने में विफल रहता है तो अमेरिका सैन्य अभियान फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में वेंस ने यह टिप्पणी तब की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले फिर से शुरू करने के फैसले को एक दिन पहले टाल दिया था। यह फैसला कतर और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य अरब देशों के अनुरोध पर लिया गया। उन देशों ने कहा था कि शांति वार्ता में तेहरान 'उचित रवैया' अपना रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हमारा मानना है कि ईरानी समझौता करना चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने हमसे सद्भावनापूर्वक बातचीत करने का आग्रह किया और हमने ठीक वैसा ही किया है।' वेंस ने बताया कि प्रेस वार्ता में आने से पहले उनकी ट्रंप से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा, हम उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति उस रास्ते पर जाने के लिए तैयार हैं और इसमें सक्षम हैं। वेंस ने कहा कि अमेरिका के पास एक सरल प्रस्ताव है और आगे बढ़ने के दो रास्ते हैं।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। ब्रह्मांड का शेष 70 प्रतिशत भाग 'डार्क एनर्जी' से बना है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था – या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया।

NEET-2026 पेपर लीक के विरोध में जयपुर में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेताओं की मिलीभगत तथा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की अकर्मण्यता से नीट-2026 का पेपर लीक होने से 22 लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ हुये खिलवाड़ के विरोध में तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की माँग एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को भंग करने की माँग करते हुये राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जयपुर में जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस विधायक, सांसद, विधायक प्रत्याशी, सांसद प्रत्याशी प्रदर्शन में हजारों कार्यकर्ताओं के साथ शामिल रहे। कांग्रेस कार्यकर्ता सवेरे 10 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर एकत्रित हुये, जहाँ सभा को प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सम्बोधित किया। सभा के पश्चात् प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अगुवाई में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता जुलूस के रूप में भाजपा प्रदेश मुख्यालय का घेराव करने के लिये रवाना हुये, पुलिस द्वारा शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को रोकने हेतु शहीद स्मारक, कमीशनरेट जयपुर पर बैरीकेट लगाकर रोका, उन पर पानी की बौछार की तथा बल प्रयोग किया गया, जिसमें कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ताओं को चोंटे आई। प्रदर्शन के पश्चात् प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा चोटिल कार्यकर्ताओं से मिलने सवाई मानसिंह अस्पताल गये और वहाँ उनके समुचित ईलाज की व्यवस्था करवाई गई।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने उपस्थित विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुये कहा कि नीट-2026 का पेपर लीक होने में भाजपा नेताओं की मिलीभगत पूर्ण रूप से सामने आई है तथा वर्ष 2024-2025 में भी नीट का पेपर लीक हुआ था, यह तथ्य सामने आ चुके हैं, किन्तु भाजपा की केन्द्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जो यह पेपर करवाती है, के खिलाफ ना तो कोई ठोस कार्यवाही की, ना ही दोषी अधिकारियों को हटाया गया है, जबकि परीक्षा का पेपर हुबहू लीक होने के साथ बेचा गया। इस पूरे प्रकरण के लिये मोदी सरकार को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुये शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा अविलम्ब लेना चाहिये। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकार दोनों ही पेपर लीक की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते, क्योंकि पेपर लीक का खुलासा सर्वप्रथम राजस्थान में हुआ है। डोटासरा ने नारा दिया है कि नीट पेपर का कहाँ मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में, इसी नारे को लगाते हुये और धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की माँग करते हुये कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जुलूस आगे चला।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि नीट के पेपर लगातार तीन वर्ष से लीक हो रहे हैं जो देश के लाखों छात्रों के हितों पर कुठाराघात है। भाजपा के नेता केवल दोषियों को बचाने में लगे हुये हैं, जबकि वास्तविकता में सबसे पहले कार्यवाही राजस्थान में होनी चाहिये थी, क्योंकि पेपर लीक होने की सर्वप्रथम जानकारी राजस्थान में हुई, किन्तु आश्चर्य का विषय है कि भाजपा की प्रदेश सरकार ने राजस्थान में एक भी एफआईआर दर्ज नहीं की, जो दर्शाता है कि भाजपा की सरकार किसी दोषी को बचाने के लिये ही कार्य कर रही थी।

ब्रीफ खबरें

राज्यपाल ने IAS प्रशिक्षुओं से कहा—जनसेवा में संवेदनशीलता रखें प्राथमिकता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से गुरुवार को लोक भवन में भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) वर्ष 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पित होकर कार्य करने का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि प्रशासनिक सेवा का मूल उद्देश्य आमजन के प्रति संवेदनशील रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दें और समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े गरीब और वंचित वर्ग के कल्याण को प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब अधिकारी जमीनी स्तर पर ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा भावना के साथ कार्य करने की सीख दी। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि एक सफल प्रशासन वही है जो जनता के विश्वास पर खरा उतरे और अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाए। इस अवसर पर हरिश्चंद्र माथुर राज्य लोक प्रशासनिक संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा एवं राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

स्वगणना अभियान में जयपुर प्रदेश में नंबर-1

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनगणना संचालन 2026 के तहत चल रहे स्वगणना अभियान में जयपुर जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे राजस्थान में पहला स्थान हासिल किया है। जिले में अब तक 3.25 लाख से अधिक स्वगणना दर्ज की गई हैं, जो राज्य की कुल उपलब्धि का लगभग 22 प्रतिशत है। जिला प्रशासन के जागरूकता अभियान, प्रभावी प्रचार-प्रसार और जनगणना कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी से यह सफलता मिली। इस उपलब्धि पर राजस्थान के मुख्य वी. श्रीनिवास ने जिला कलेक्टर संदेश नायक और नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ग्रामीण दौरा:

चाय पर चर्चा से लेकर विकास कार्यों की सौगात तक

जयपुर/बांसवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा जिले के सुदूर आदिवासी क्षेत्र चुड़ादा गांव में रात्रि चौपाल के बाद सुबह-सुबह ग्रामीण गलियों में भ्रमण कर लोगों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने गांव की पीपल के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई विकास कार्यों की स्वीकृति देकर समाधान भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने प्रातः भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से "चाय पर चर्चा" की और जन-मन की बात जानने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को साकार करने के लिए अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने ग्राम विकास चौपाल को इसी विचार का जीवंत उदाहरण बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हीरन नदी पर एनिकट निर्माण के निर्देश दिए और जल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि पानी का कोई विकल्प नहीं है, इसलिए हर बूंद का सही उपयोग जरूरी है। मुख्यमंत्री ने किसानों से माइक्रो सिंचाई, वर्षा जल संचयन और आधुनिक खेती अपनाने की अपील की। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों से मुलाकात की और उन्हें चॉकलेट देकर पढ़ाई के

लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और शिक्षा पर ध्यान देने का आह्वान किया। इसी दौरान ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों पर मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कई विकास कार्यों की स्वीकृति जारी की। इसमें गांव ठुम्मठ में मां बाड़ी केंद्र निर्माण के लिए 16.20 लाख रुपये, ठुम्मठ चौराहे पर सिंगल फेज ट्यूबवेल के लिए 20 लाख रुपये तथा चुड़ादा गांव में मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण के लिए 7 लाख रुपये की मंजूरी शामिल है। इसके अलावा स्कूल में अतिरिक्त कक्षा-कक्ष निर्माण और दूध संकलन केंद्र स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर कुशलगढ़ के बीसीएमओ को तत्काल एपीओ करने के निर्देश दिए, जिस पर चिकित्सा विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संत मामा बालेश्वर दयाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बजट घोषणाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश

जयपुर । वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 की लंबित बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समय पर बजट घोषणाओं को पूरा करने वाले विभागीय अधिकारियों की सराहना की, वहीं जिन विभागों में कार्य लंबित हैं, उन्हें शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने एक से अधिक विभागों से जुड़ी घोषणाओं को आपसी समन्वय के साथ पूरा करने पर भी जोर दिया। बैठक में बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा और शिक्षा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित बजट घोषणाओं की प्रगति की जानकारी विभागीय अधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत की। जिला कलक्टर ने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक भूमि आवंटन संबंधी मामलों पर भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

अजमेर के प्रवेश मार्ग को मिलेगा हेरिटेज लुक, विधानसभा अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

जयपुर/अजमेर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को अजमेर के अशोक उद्यान प्रवेश द्वार से अंबेडकर सर्किल तक चल रहे सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अजमेर के प्रवेश मार्ग को शहर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और शैक्षणिक पहचान के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि शहर में प्रवेश करते ही पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अजमेर की भव्य विरासत की झलक दिखाई दे। निरीक्षण के दौरान देवनानी ने कहा कि अशोक उद्यान प्रवेश द्वार से लेकर बस स्टैंड तक सड़क के दोनों ओर हेरिटेज थीम आधारित सौंदर्यीकरण कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जाएं। इसके तहत आकर्षक हेरिटेज लाइटिंग, फव्वारे, पौधारोपण, हरित पट्टियां और सुंदर उद्यान विकसित किए जाएंगे। साथ ही, सड़क किनारे दीवारों और साइड वॉल्स पर अजमेर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाने वाले भित्ति चित्र और कलात्मक पेंटिंग्स बनाई जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि चौहान शासकों, ऐतिहासिक झीलों, महान विभूतियों और शिक्षा नगरी के रूप में प्रसिद्ध अजमेर की पहचान को कलात्मक माध्यमों से प्रदर्शित किया जाए। इससे नई पीढ़ी और बाहर से आने वाले लोगों को शहर की गौरवशाली विरासत से परिचित कराया जा सकेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने अशोक उद्यान क्षेत्र में अतिक्रमण और झाड़ियों को हटाकर क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने एमडीएस विश्वविद्यालय पुष्कर चौराहे पर सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा स्थापित करने और पूरे क्षेत्र को हेरिटेज स्वरूप में विकसित करने की बात कही। इसके अलावा जयपुर रोड पर जलभराव की समस्या को देखते हुए प्रभावी ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए गए। देवनानी ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं और हेरिटेज स्वरूप के समन्वय से अजमेर का प्रवेश मार्ग शहर की नई पहचान बनेगा।

जयपुर उत्तर पुलिस की बड़ी कार्रवाई:

साईबर म्यूल हंटर अभियान में आरोपी गिरफ्तार, लाखों की ठगी का खुलासा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर उत्तर पुलिस ने साईबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे "म्यूल हंटर अभियान" के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 38 एटीएम कार्ड, 3,86,700 रुपये नकद, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य साईबर ठगी में उपयोग होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि बढ़ते साईबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय राजस्थान द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली राजेंद्र कुमार मीणा एवं थानाधिकारी जालूपुरा हवासिंह मंगवा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रमोद

कुमावत (32), निवासी किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर हाल निवासी विनायक विहार, डी-रावण गेट के रूप में हुई है। आरोपी की टैक्सी कार की तलाशी के दौरान विभिन्न बैंकों के 38 एटीएम कार्ड, चेकबुक, नकदी और नोट गिनने की मशीन बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी और उसके साथी उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोगों से बैंक खाते किराये पर लेकर साईबर ठगी की रकम उन खातों में ट्रांसफर करवाते थे और बाद में उसे निकालकर अलग-अलग खातों में घुमा देते थे। घटना 17 अप्रैल 2026 की है, जब गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके बाद होटल के कमरा नंबर 2023 में छापेमारी की गई, जहां आरोपी साईबर ठगी करते हुए पाए गए। मौके से 19 मोबाइल फोन, लैपटॉप और कार भी जब्त की गई थी। जांच में सामने आया कि इन बैंक खातों का उपयोग देश के कई राज्यों में साईबर फ्रॉड में किया गया है, जिनके खिलाफ विभिन्न शिकायतें दर्ज हैं। इस आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर प्रमोद कुमावत को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपी सूरज शर्मा, अजय और अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी किराये पर लिए गए बैंक खातों का उपयोग ठगी की राशि ट्रांसफर करने, कैश निकालने और उसे अन्य खातों में घुमाने के लिए करते थे। जयपुर उत्तर पुलिस की इस कार्रवाई से साईबर ठगी नेटवर्क पर बड़ी चोट मानी जा रही है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

नगर निगम टीम की बड़ी कार्रवाई, 9 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 9 केन्टर सामान जब्त किया और मौके पर 14 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशों और पूर्व प्राप्त शिकायतों के आधार पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने झोटवाड़ा पुलिया के नीचे सब्जी मंडी, खातीपुरा रोड, कालवाड़ रोड 200 फीट क्षेत्र, जलेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र, कलेक्ट्रेट गेट नंबर 1, कांति नगर, हाथी बाबू का हत्था, पोलो विक्ट्री के सामने, सिंधी कैंप, जोबनेर बाग, पारीक कॉलेज रोड, संजय सर्किल, चांदपोल बाजार, श्री गोपीनाथ जी मंदिर, जोरावर सिंह गेट, बांसबदनपुरा, गुलजार कॉलोनी, सरकारी स्कूल ईदगाह पाड़ा, मंडी क्षेत्र और दिल्ली बाईपास रोड तक अस्थाई अतिक्रमण हटाया। इस दौरान सड़क किनारे लगाए गए ठेले, फड़ और अन्य अस्थाई संरचनाओं को हटाकर 9 केन्टर सामान नगर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। वहीं, मौके पर अतिक्रमणकारियों से 14 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज भी वसूला गया। सतर्कता शाखा के अधिकारियों ने कार्रवाई के दौरान लोगों को समझाइश भी दी और भविष्य में समय पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए मौखिक रूप से पाबंद किया। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि आगे भी नियमों का उल्लंघन किया गया तो नगर निगम द्वारा और अधिक सख्त कार्रवाई करते हुए भारी चालान और कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

जनसुनवाई में जिला कलक्टर ने सुनीं 114 शिकायतें, 10 मामलों का मौके पर समाधान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर सन्देश नायक की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित इस जनसुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान जिला कलक्टर ने कुल 114 परिवेदनाएं सुनीं, जिनमें से 10 मामलों का मौके पर ही समाधान कर संबंधित लोगों को राहत प्रदान की गई। शेष मामलों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर चौमूं विधायक शिखा मील बराला भी मौजूद रहीं। जनसुनवाई में अतिक्रमण हटाने, छात्रवृत्ति, एनएफएसए में नाम जोड़ने, पेंशन शुरू कराने, पेयजल आपूर्ति सुचारू करने, कृषि भूमि के रास्ते खुलवाने, सड़क निर्माण, आवासीय पट्टा, नामांतरण और भूमि विवाद जैसे विभिन्न विषयों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। जिला कलक्टर सन्देश नायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि कई बार कानूनों और सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव में लोग परेशान होते हैं, इसलिए जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का तथ्यों के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हो। जनसुनवाई में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर विनीता सिंह, आशीष कुमार और देवयानी सहित चिकित्सा, पुलिस, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण, जलदाय, कृषि, वन और राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने किया अभय कमांड सेंटर का भ्रमण

-आधुनिक तकनीक से अपराध नियंत्रण व महिला सुरक्षा की कार्यप्रणाली जानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय प्रशासनिक सेवा बैच 2025 के 7 प्रशिक्षु अधिकारीगणों ने बुधवार को पुलिस कमिश्नरेट स्थित अत्याधुनिक अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भ्रमण किया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को अभय कमांड सेंटर की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने वीडियो सर्विलांस, डायल 100 सिस्टम, डिस्पेचर, फॉरेंसिक तकनीक, आई.टी.एम.एस. सिस्टम सहित सेंटर में उपलब्ध अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही महिला सुरक्षा ऐप एवं 'महिला गरिमा' पहल के बारे में भी विस्तार से बताया। मित्तल ने कहा कि जयपुर पुलिस तकनीक के माध्यम से आमजन को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। संकटकालीन परिस्थितियों में कंट्रोल रूम को सूचना प्राप्त होते ही पुलिस त्वरित गति से घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित की सहायता करती है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेंद्र सिंह ने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों एवं हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों को भी अभय कमांड सेंटर से जोड़ा गया है। प्रशिक्षु अधिकारियों ने वीडियो वॉल पर सीसीटीवी कैमरों का लाइव प्रदर्शन देखा। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने अभय कमांड सेंटर को अपराधों की रोकथाम एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन हेतु अत्यंत उपयोगी बताया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

ईद-उल-अज़हा की नमाज जालोरी गेट ईदगाह पर अदा की जाएगी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नमाज़-ए-इदेन इन्तेजामिया कमेटी की ओर से आगामी ईद-उल-अज़हा के अवसर पर ईद की नमाज़ के समय एवं इंतजामात को लेकर मंगलवार को बाद नमाज़े ईशा जालोरी गेट स्थित ईदगाह मस्जिद में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौजूद लोगों की आम राय एवं सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2026 में जालोरी गेट ईदगाह, जोधपुर में ईद-उल-अज़हा की नमाज़ गुरूवार, 28 मई 2026 को सुबह 7:30 बजे अदा की जाएगी। बैठक में ईद की नमाज़ एवं व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी से समय पर पहुंचकर अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई। इस मौके पर एडवोकेट तस्लीम अब्बासी, मोहम्मद फारुख, साजिद खान जोधाणा, शाकिर, अब्दुल वाहिद, मोहम्मद सिराज सैफी, मोहम्मद यूसुफ, इंजाम, असगर एवं अब्दुल सलाम सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

किशोरी व्यक्तित्व विकास आवासीय शिविर की तैयारियां जोरो पर

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। रातानाड़ा माहेश्वरी जनपयोगी भवन में शहर में सृजन किशोरी व्यक्तित्व विकास आवासीय शिविर 3 सें 7 जून तक आयोजित होने वाले शिविर की तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू हो रही हैं। विभिन्न समितियां अपने अपने कार्यों को अंतिम रूप दें रही हैं। गीता परिवार जोधपुर शाखा अध्यक्ष श्रीमती मंजू सोनी ने बताया कि शिविर में लगभग 200 छात्राएं हिस्सा लेगी। बुधवार को जोधपुर संभागीय आयुक्त कन्हैयालाल स्वामी एवं परिवहन अधिकारी मर्दुला शेखावत सें मुलाक़ात कर शिविर की जानकारी दी गईं एवं पंच दिवसीय कैम्प में आमंत्रित किया गया। इस शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बीना गोयल 6 जून को किशोरियों को चिकित्सा परामर्श देगी ।

ग्रीष्मकालीन शिविर का चौथा दिन संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम डाबला के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में छः न्याति ब्राह्मण जिला महिला इकाई महासंघ के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय शिविर के चौथे दिन शिविर प्रभारी ममता जोशी ने बताया की पूर्व सभापति नगर परिषद विजय कुमार शर्मा, छः न्याति जिला अध्यक्ष महेश बावलिया, महेंद्र चौबे, योगेश गोड, गुरदास भारती, रवि दाधीच, नरेंद्र काछवाल, राजीव बहड़, बाबू पाटिल व राजीव शर्मा ने शिविर काअवलोकन कर महिला इकाई को इस नेक कार्य के लिए साधुवाद दिया। जिला महिला इकाई अध्यक्ष दीपिका शर्मा ने बताया कि शिविर में कुल 80 महिला एवं छात्राओ का पंजीयन हुआ है। जिसमें सिलाई प्रशिक्षक निर्मला प्रजापत के निर्देशन में 17 महिला एवं छात्राएं, ब्यूटी पार्लर में मनीषा प्रजापत के पास 14, नृत्य में महिमा शर्मा के पास 27, मेहंदी में आकांक्षा प्रजापत के पास 17 व स्कूटी प्रशिक्षक ज्योति शर्मा के पास पांच प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण ले रही है। उन्होंने बताया कि ये सभी बड़े ही लगन व उत्साह के साथ शिविर में भाग ले रही है। इस अवसर पर जिला महिला इकाई सदस्य सुषमा शर्मा, सरिता इंदौरिया, निर्मला शर्मा, चंदा बंसिया,संजु बावलिया,वीणा गोड व अनेक ग्रामीण महिलाएं उपस्थिति रही।

जोधपुर में जीएनआरएफ ने नि:शुल्क पानी की स्टॉल लगाकर की जनसेवा

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। दावते इस्लामी इंडिया के जन कल्याण विभाग, गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन की ओर से भीषण गमी को देखते हुए देशव्यापी 'निःशुल्क पीने के पानी का स्टॉल' अभियान चलाया जा रहा है। 'वतने अजीज हिन्दुस्तान' के तहत देश के कोने-कोने में पानी की स्टॉल लगाने की इस कडी में सूर्य नगरी जोधपुर शहर में भी 'निःशुल्क पानी की स्टॉल लगाई गई। जिससे राहगीरों को इस तपती गमी में बडी राहत मिली। गौरतलब है कि जीएनआरएफ लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और कल्याणकारी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। संस्था द्वारा बाढ़ पीड़ितों की सहायता करने सहित किसी भी आपातकाल की स्थिति में आमजन तक तुरंत मदद पहुंचाई गई, जिससे अब तक लाखों लोग लाभान्वित हो चुके हैं। जोधपुर में आयोजित इस 'निःशुल्क पानी की स्टॉल' के सेवा कार्य के दौरान कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह पूरा वितरण कार्य जीएनआरएफ विभाग के अधिकारी गुलाम यासीन, मौलाना असलम अत्तारी, हाजी शरीफ, शहजाद भाई, मौलाना अब्दुल हमीद और साजिद खान जोधाणा सहित अन्य सहयोगियों की देखरेख में बेहद सुचारू और सफल रूप से संपन्न हुआ। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने संस्था के इस सेवाभावी कार्य की जमकर सराहना की।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

नीट पेपर लीक मामले में प्रदेष भाजपा मुख्यालय का किया घेराव

-बारां से बड़ी संख्या में जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा के नेतृत्व में पहुंचे कांग्रेसजन जयपुर

बारां (रॉयल पत्रिका)। देशभर में चर्चित नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर युवाओं में लगातार बढ़ते आक्रोश के बीच कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को जयपुर में प्रदेश भाजपा मुख्यालय का घेराव कर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से भाजपा मुख्यालय तक विशाल रैली निकाली गई, जिसमें प्रदेशभर से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने भाग लिया। बारां जिले से भी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हंसराज मीणा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन जयपुर पहुंचे और प्रदर्शन में सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव धर्मराज मेहरा ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले ने देश के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को गहरी चिंता और असुरक्षा में डाल दिया है। युवाओं की मेहनत, संघर्ष और भविष्य के साथ हुए इस कथित खिलवाड़ के विरोध में कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर न्याय और पारदर्शिता की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि बारां जिले से कांग्रेस कार्यकर्ता कारों, बसों और ट्रेनों के माध्यम से जयपुर पहुंचे और केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन में शामिल हुए। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेनद्र

प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाते हुए नीट पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय सीबीआई जांच कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने में विफल रही है, जिससे देशभर के छात्रों का विश्वास टूट रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हंसराज मीणा ने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि देश का युवा आज अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और पारदर्शिता की मांग कर रहा है, लेकिन भाजपा सरकार जवाबदेही तय करने से बच रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी युवाओं के हित में अपना आंदोलन और तेज करेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर "युवा विरोधी सरकार जवाब दो", "नीट घोटाले की हो सीबीआई जांच" तथा "छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो" जैसे नारे लगाए। पूरे प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। धरना-प्रदर्शन में किशनगंज की पूर्व विधायक निर्मला सहारिया, महिला कांग्रेस अध्यक्ष बृजेश वर्मा, शाहाबाद ब्लॉक अध्यक्ष धमेन्द्र यादव, जिला महासचिव पूरणमल नागर, जिला सचिव गजेन्द्र सुमन, विनय मालव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अटरू गिरिराज धाकड़, एससी विभाग महासचिव पंकज मेरोठा, सरपंच नरेंद्र मीणा, जीएसएम अध्यक्ष हेमराज गोचर, गजेंद्र गौतम, खेमराज नागर, तेजकरण वैष्णव, दिनेश नागर, महेश कुश्या, महावीर मीणा, संजय बामली, संदीप खेड़ी सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर अर्पिता सोनी ने जिला स्तरीय जनसुनवाई में सुने आमजन के अभाव-अभियोग, अधिकारियों को दिए निर्देश

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में गुरुवार को जिला मुख्यालय पर जन सेवा केन्द्र में जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान शिविर आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर अर्पिता सोनी ने आमजन की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम सोनी ने कहा कि अधिकारी आमजन को उनके परिवादों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ संतुष्ट करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित राहत उपलब्ध करवाना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक विभागीय अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में व्यक्तिगत रुचि

लेते हुए निर्धारित समयावधि में कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आपसी समन्वय एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, पेयजल, विद्युत, सड़क व सीवरेज निर्माण, अतिक्रमण, टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता, पट्टा जारी करने, रास्ते से जुड़े, बरसात के दौरान पानी भराव, बकाया भुगतान, असामाजिक तत्वों द्वारा परेशानी, निराश्रित पशुओं से असुरक्षा, अमानक सड़क निर्माण, बिजली के क्षतिग्रस्त पोल सही करवाने जैसे नगरनिकाय की 12, राजस्व की 03, पुलिस की 04, पीएचईडी की 05, शिक्षा की 01, जोविविएनल की 03, पंचायती राज की 01, सानिवि की 01 व स्वास्थ्य विभाग की 01 सहित कुल 31 परिवाद प्राप्त हुए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी के साथ उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों व सतर्कता समिति में दर्ज प्रकरणों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। इसी क्रम में प्रदेश स्तर से भी वीसी के जरिए जिला स्तरीय जनसुनवाई की समीक्षा की गई। एडीपीएस मीनू वर्मा ने संपर्क पोर्टल प्रकरणों के बारे में चर्चा की। इस दौरान डीएफओ भवानी सिंह, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, आईसीडीएस उपनिदेशक डॉ. नरेन्द्र शेखावत, बाल संरक्षण इकाई सहायक निदेशक सत्येन्द्र पाल वीर, उद्योग महाप्रबंधक नानुराम गहनोलिया, उद्यान उपनिदेशक डॉ. धर्मवीर डूडी, डॉ. अहसान गोरी, कॉपरेटिव एमडी मदनलाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी तथा वीसी के जरिए सभी उपखंडों से उपखंड स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

शेखावत कॉलोनी में नाले के गंदे पानी की समस्याएं और गंदगी से जूझ रहे कॉलोनी वासी

-बीमारियों के फैलने का खतरा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय वार्ड नं 20, शेखावत कॉलोनी चूरू में पिछले कई दिनों से चल रही गंदे पानी की गंभीर समस्या को लेकर गुरुवार देर शाम को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया मौके पर पहुंचे। इस अवसर पर वार्ड के निवासियों माताओं-बहनों और बुजुर्गों से मिले और उनकी समस्याओं को समझा। शेखावत कॉलोनी वासीयो ने नाली का गंदे पानी में जीने को मज़बूर हो रहे है। बीमारी फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। यह हालात असहनीय हैं। मौके से ही नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों से फोन पर बात की और चेतावनी दी कि इस समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। रफ़ीक मंडेलिया ने कहा नगर परिषद चूरू द्वारा गंदे

पानी की समस्या का जल्द से जल्द समाधान नहीं हुआ तो वार्ड की समस्त जनता के साथ मिलकर बड़ा जन-आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर परिषद चूरू की होगी।इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद बेबी बानो, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर नारायण बालान, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, जमील चौहान, हेमन्त सिहाग, आबिद जाबासरिया शिव कुमार शर्मा, अज़ीज़ खान, असलम मोयल, समीउल्लाह गौरी, इमरान मलनस, सलीम पीए, नानू कलाल आदि उपस्थित थे।

जिला कलक्टर ने जनसुनवाई में सुनी आमजन की पीड़ा, 40 प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश

-लंबित मामलों में समयबद्ध जांच कर रिपोर्ट देने को कहा, वीसी से जुड़े सभी एसडीएम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से गुरुवार को जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा की अध्यक्षता में राजीव गांधी सेवा केन्द्र, कलेक्ट्रेट परिसर बारां में जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं जन अभाव अभियोग निराकरण सतर्कता समिति की बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने एक-एक परिवादी से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा मौके पर मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में जिले के सभी उपखंड अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। जिला कलक्टर असावा ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण पूर्ण गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ किया जाए। जांच से जुड़े प्रकरणों में भी अनावश्यक विलंब न हो और निर्धारित समय-सीमा में तथ्यात्मक जांच रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगली जनसुनवाई से पूर्व लंबित प्रकरणों की जांच प्रक्रिया

पूर्ण कर पालना रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, जिससे आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई में कुल 40 परिवेदनाएं प्राप्त हुईं। इनमें चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने, भूमि की पैमाइश एवं सीमाज्ञान, आवासीय क्षेत्रों में गंदे पानी की निकासी, बंद रास्तों को खुलवाने, भूमि विवाद, भूमि अवाप्ति के मुआवजे का भुगतान, कार्मिक को नियमानुसार वेतन से कम भुगतान, न्यायालय आदेशों की पालना तथा पैतृक आराजी पर कब्जा दिलवाने जैसे प्रकरण शामिल रहे। जिला कलक्टर ने प्रत्येक प्रकरण पर सुनवाई कर संबंधित विभागाध्यक्षों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्मिक को कम वेतन भुगतान संबंधी प्रकरण में तत्काल तथ्यात्मक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए। बैठक में पूर्व जनसुनवाई के प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को सुशासन एवं त्वरित राहत प्रदान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में उपखंड अधिकारी विश्वजीत सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी सहित राजस्व, पंचायती राज, सार्वजनिक निर्माण, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला कारागृह का मासिक निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर द्वारा गुरूवार को जिला कारागृह सवाई माधोपुर का मासिक निरीक्षण किया गया। देवेन्द्र दीक्षित द्वारा कारागृह परिसर की साफ-सफाई, बैरकों की साफ-सफाई, सजायाफ्ता एवं विचाराधीन बंदियों की कुल संख्या, नए प्रवेश करने वाले बंदियों के नाम एवं पता, बंदियों को प्रदान की जाने वाली भोजन, पेयजल एवं चिकित्सकीय सुविधाओं, ई कियोस्क आदि के संबंध में पूछताछ की गई तथा बंदियों से वार्ता कर उनके मुकदमों, संबंधित थानों, न्यायालयों, परिजनों से बातचीत के समय, अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता, निशुल्क विधिक सहायता आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना गया। देवेंद्र दीक्षित ने उपस्थित बंदियों को बताया कि जिन बंदियों के पास अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है, वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन करके अपने मुकदमों की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। साथ ही

कारागृह में बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जेल विजिटिंग लॉयर एवं अधिकार मित्र को अपनी समस्या के संबंध में अवगत करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त देवेन्द्र दीक्षित ने कारागृह परिसर में स्थित प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का भी विजिट किया तथा रजिस्टरों का अवलोकन कर मौके पर उपस्थित चीफ एलएडीसी राधेश्याम जोगी एवं अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल से प्रिजन लीगल एड क्लीनिक की कार्यवाही, प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को प्राप्त विधिक सहायता के संबंध में पूछताछ की गई। साथ ही देवेन्द्र दीक्षित द्वारा उनसे यह भी जानकारी ली गई कि नालसा स्पुरहा योजना 2025 के तहत बंदियों के आश्रितों की समस्याएं सुनकर कुल कितने आवेदन प्राप्त किये गये एवं उन्हें किस प्रकार की विधिक सहायता प्रदान की गई। दौराने निरीक्षण कुल 124 बंदी उपस्थित पाएं गए। देवेन्द्र दीक्षित द्वारा बंदियों को साइबर अपराधों, चोरी, लूट, हत्या एवं हत्या के प्रयास तथा अन्य अपराधों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान देवेन्द्र दीक्षित द्वारा उपाधीक्षक बिहारीलाल को बंदियों के अन्य जेलों में स्थानान्तरण एवं निःशुल्क विधिक सहायता के इच्छुक बंदियों के संबंध में सूचना अविलंब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित करने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर भी उपस्थित रही।

महआ में अवैध मीट दुकानों पर चला प्रशासन का हंटर, कई दुकानें सीज

-अधिशासी अधिकारी के आदेश पर नगर पालिका और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, अतिक्रमण प्रभारी रहे मौजूद

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका प्रशासन ने गुरुवार को शहर में चल रही अवैध मीट की दुकानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कई दुकानों को बंद करवाकर सीज कर दिया। यह कार्रवाई अधिशासी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा के आदेशानुसार की गई। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका अतिक्रमण प्रभारी ऋषिकांत मीणा, सह प्रभारी अरुण चौहान, सफाई निरीक्षक रामलखन गुर्जर, एसबीएम अभियंता हेमराज बैरवा, दिलीप सिंह गुर्जर, प्रदीप मीना सहित नगर पालिका स्टाफ और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद रही।

कैसे हुई कार्रवाई:-

नगर पालिका को पिछले कई दिनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि शहर के अलग-अलग इलाकों में बिना लाइसेंस और मानकों के अवैध रूप से मीट की दुकानें संचालित की जा रही हैं। इन दुकानों से न केवल गंदगी फैल रही थी, बल्कि धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचने की शिकायतें सामने आ रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा ने तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिए। गुरुवार सुबह नगर पालिका की टीम पुलिस बल के साथ शहर के मुख्य बाजार, बस स्टैंड रोड और आसपास के इलाकों में पहुंची। टीम ने सबसे पहले दुकानदारों से लाइसेंस और अन्य दस्तावेज मांगे। जिन दुकानदारों के पास खाद्य सुरक्षा विभाग का लाइसेंस, नगर पालिका की एनओसी और स्वास्थ्य विभाग की अनुमति नहीं मिली, उनकी

दुकानों को तत्काल बंद करवा दिया गया। कार्रवाई के दौरान 6 से अधिक अवैध दुकानों को सीज किया गया और दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि बिना अनुमति दोबारा दुकान खोलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने क्या कहा:-

अतिक्रमण प्रभारी ऋषिकांत मीणा ने बताया कि शहर में स्वच्छता और कानून व्यवस्था बनाए रखना नगर पालिका की प्राथमिकता है। अवैध मीट की दुकानों से नालियों में खून और अवशेष बहाए जा रहे थे, जिससे सफाई व्यवस्था चरमरा गई थी और बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया था। कई जगह खुले में मीट काटा जा रहा था, जो खाद्य सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन है। सह प्रभारी अरुण चौहान ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिन लोगों को मीट की दुकान चलानी है, वे पहले नगर पालिका से लाइसेंस लें, निर्धारित स्थान पर ही दुकान लगाएं और सभी मानकों का पालन करें। सफाई निरीक्षक रामलखन गुर्जर ने बताया कि सीज की गई दुकानों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया है। एसबीएम अभियंता हेमराज बैरवा ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर को साफ-सुथरा रखना हमारी जिम्मेदारी है और इस तरह की अवैध गतिविधियां मिशन के खिलाफ हैं।

हिण्डौन क्षेत्र के जमालपुर से कल्हारण का पुरा तक सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद गुरुवार को उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया

हनीस शेख

करौली (रॉयल पत्रिका)। करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने फीता काटकर 38 लाख रुपए की लागत से बनी 250 मीटर सीसी सड़क का उद्घाटन किया। यह सड़क सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा तैयार कराई गई है। भाजपा नेता मनोज तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जल्द ही कल्हारण पुरा तक डामर रोड का निर्माण कार्य भी कराया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को और बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान ग्रामीणों ने विधायक दर्शन सिंह गुर्जर का साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा खेड़ा जमालपुर मंडल अध्यक्ष गीता देवी जाट, पूर्व जिला महामंत्री तेजसिंह,

शक्ति केंद्र संयोजक मनोज तिवाड़ी, बूथ अध्यक्ष इन्द्र कुमार चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए खुशी जताई है।

युवा साथियों के समर्थन से मिला नया आत्मविश्वास, कल्लू ठेकड़ा ने जताया आभार

-राजस्थान युवा कांग्रेस चुनाव के बाद महवा क्षेत्र के युवाओं को कल्लू ठेकड़ा का धन्यवाद संदेश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान युवा कांग्रेस चुनाव सम्पन्न होने के बाद महवा विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा अध्यक्ष प्रत्याशी कल्लू ठेकड़ा ने क्षेत्र के युवा साथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने तक चली चुनाव प्रक्रिया के दौरान महवा विधानसभा क्षेत्र के युवाओं ने जिस समर्पण, मेहनत और विश्वास के साथ उनका साथ दिया, वह उनके लिए अविस्मरणीय है। कल्लू ठेकड़ा ने कहा कि भीषण गर्मी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद युवा साथियों ने दिन-रात मेहनत करते हुए घर-घर जाकर हर युवा तक पहुंच बनाई और उनका समर्थन किया। उन्होंने इसे केवल चुनावी सहयोग नहीं बल्कि आपसी विश्वास, भाईचारे और मजबूत संगठन की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि युवा साथियों की मेहनत, संघर्ष और विश्वास ने उन्हें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान किया है। उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि उन्हें कर्मठ, जुझारू और समर्पित युवाओं का साथ मिला, जो संगठन की सबसे

बड़ी ताकत है। प्रत्याशी कल्लू ठेकड़ा ने सभी समर्थकों और युवा कार्यकर्ताओं का दिल से धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि वे जीवनभर इस प्यार, समर्थन और भरोसे को याद रखेंगे। साथ ही उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी सभी साथी मिलकर युवाओं की आवाज़ को मजबूती से बुलंद करेंगे और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

पत्रकार कल्याण और सम्मान के लिए सरकार का अहम निर्णय

-भजनलाल शर्मा ने दी वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान राशि में वृद्धि को मंजूरी

चूरू,जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पत्रकार कल्याण, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने राज्य केपूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों के लिए सम्मान राशि को 15 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रति माह करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शर्मा द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) ने राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना में संशोधन कर पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि में वृद्धि करते हुए इसे 18 हजार रुपये करने की अधिसूचना जारी कर दी है।डीआईपीआर द्वारा जारी राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना (संशोधन) नियम-2026 के अनुसार ऐसे पूर्णकालिक अधिस्वीकृत पत्रकार, जिन्होंने दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, स्वतंत्र पत्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी में कम से कम 20 वर्षों तक सेवायोजन कार्य किया हो (दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी के संपादक, प्रकाशक व मालिक सहित) और जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, वे प्रतिमाह 18 हजार रुपये सम्मान राशि के पात्र होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्तीय वर्ष बजट 2026-27 में अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये करने की घोषणा की थी। इस बजट घोषणा की अनुपालना में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने यह अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के बाद वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के तहत लाभार्थी दिवगंत पत्रकार की पत्नी को मिलने वाली सम्मान निधि की राशि भी 7 हजार 500 रुपये से बढ़कर 9 हजार रुपये हो गई है।

नायक, नायका, धानक, धानका समाज के संवैधानिक अधिकारों एवं सामाजिक न्याय एवं मीना, मीणा जाति के सम्बन्ध में संवैधानिक अधिकारों एवं जातिगत विसंगतीयों पर कार्यवाही हेतु ज्ञापन सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई में राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन सोपा जिसमें बताया गया कि नायक, नायका, धानक, धानका समाज लम्बे समय से सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। समाज के लोगों को आज भी मूलभूत सुविधाएँ शिक्षा, रोजगार एवं संवैधानिक अधिकारों में अनेक कठिनाइयोंआ का सामना करना पड़ रहा है। अतः राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति राजस्थान जिला चूरू की ओर से निम्न मांगें ज्ञापन द्वारा प्रस्तुत की गई है:- 1. मीना मीणा नाम से सम्बन्धित संवैधानिक अधिकार एवं प्रशासनिक स्थिति सार्वजनिक रूप से स्पष्ट की जावे। 2.नायक, नायका जाति को समाज में बोलचाल की भाषा में नायका भी कहा जाता है जिसके कारण ई पोर्टल राजस्थान पर बोलचाल की भाषा में अशुद्धि के कारण ई पोर्टल नायका दर्ज कर दिया है जिसके कारण नायक जाति को अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाण पत्र मिलने पर काफी परेशानी हो रही है। गजट नोटिफिकेशन के अनुसार नायक, नायका जाति को संवैधानिक अधिकार दिलवाया जाये। 3. गजट नोटिफिकेशन भारत सरकार एवं वैधानिक अभिलेखों की समीक्षा करवायी जायें। 4. नायक समाज के युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार में विशेष अवसर प्रदान किये जायें। समाज के गरीब एवं जरूरत मंद परिवारों को आवास, चिकित्सा एवं समाजिक योजनाओं को लाभ प्राथमिकता से दिया जावे। समाज के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकने हेतु गजट नोटिफिकेशन के अनुसार नायक नायका जाति को ई पोर्टल पर ठीक करवाया जावे और अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाण पत्र जारी करवाने के आदेश जारी किये जावें। 5. समाज की समास्याओं के समाधान हेतु राज्य स्तर पर विशेष समिति का गठन किया जाये। 6. अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित लाभों में पारदर्शिता एवं न्याय सुनिश्चित किया जाये। 7. यदि कित्ती स्तर पर विसंगतिया पायी जाये तो उसकी उच्च स्तरीय जांच कर उचित कार्यवाही की जावे। 8. सामाजिक सौहार्द एवं संवैधानिक सम्मानता बनाये रखने के लिए आवश्यक कदम उठाये जायें।

ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर में कलर्स ऑफ एक्सप्रेशन एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

इंदौर, एजेंसी। ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर ने एक बार फिर रचनात्मकता एवं नवाचार के सशक्त केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की, जब फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एवं आर्ट एंड क्रिएटिविटी क्लब द्वारा कलर्स ऑफ एक्सप्रेशन एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला ने विद्यार्थियों को अपनी बौद्धिक, रचनात्मक एवं उद्यमशील क्षमताओं को अभिव्यक्त एवं प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन संयोजक डॉ. रमनप्रीत कौर के कुशल मार्गदर्शन में किया गया, जबकि डॉ. रेनुका राठौर एवं सृष्टि भदौरिया ने उत्कृष्ट समन्वय किया। उनके समर्पण एवं सूक्ष्म योजना ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के गणमान्यजनों, संकाय सदस्यों एवं उत्साही विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसने पूरे आयोजन को प्रेरणादायी वातावरण प्रदान किया। आयोजन समिति ने माननीय चांसलर श्री प्रवीण ठकराल, माननीय प्रो-चांसलर प्रो. (डॉ.) ध्रुव घई, माननीय प्रो-चांसलर गौरव ठकराल, माननीय मुख्य प्रबंध निदेशक प्रो. (डॉ.) गरिमा घई, वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) अमोल गोरे, तथा माननीय उप-पंजीयक अजयेंद्र नाथ के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके अमूल्य मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं निरंतर सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो सका।

जीई एयरोस्पेस ने पुणे संयंत्र में 100 करोड़ के निवेश के साथ भारत की मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ को दी तेजी

पुणे, एजेंसी। जीई एयरोस्पेस ने आज अपने पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र में 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। इससे भारत में कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग मौजूदगी और मजबूत होगी तथा देश के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और पुख्ता होगी। यह निवेश नई वेल्डिंग तकनीकों, एडवांस जांच उपकरणों, प्रिसीजन टूल्स, गेजेस, फिक्स्चर्स और अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारों का समर्थन करेगा। इनकी मदद से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, प्रक्रिया की सटीकता बेहतर होगी और दुनिया भर के ग्राहकों तक उच्च गुणवत्ता वाले कंपोनेंट्स की डिलीवरी को समर्थन मिलेगा।

यह नया निवेश पिछले दो वर्षों में घोषित 410 करोड़ रुपये के निवेश की अगली कड़ी है, जिससे पुणे संयंत्र में तीन वर्षों के दौरान जीई एयरोस्पेस का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। पिछले निवेशों का मुख्य फोकस मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को उन्नत करना, ऑटोमेशन बढ़ाना और क्षमताओं का विस्तार करना था, ताकि अगली पीढ़ी के इंजन कंपोनेंट्स का उत्पादन किया जा सके।

जीई एयरोस्पेस के पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र के मैनेजिंग डायरेक्टर विश्वजीत सिंह ने कहा, यह लगातार किया जा रहा निवेश भारत के प्रति जीई एयरोस्पेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और हमारे वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क में पुणे संयंत्र की भूमिका के प्रति हमारे भरोसे को दर्शाता है। हमारी लगातार बढ़त हमारे ग्राहकों और व्यापक समुदाय, दोनों के लिए फायदेमंद

है। इससे जीई एयरोस्पेस और हमारे सप्लायर पार्टनर्स के लिए अप्रेंटिसशिप और रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। पिछले एक दशक में यह संयंत्र एक उच्च क्षमता वाले एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित हुआ है, जिसने भारत के सप्लायर इकोसिस्टम को मजबूत किया है और जीई एयरोस्पेस की वैश्विक सप्लाई चेन में योगदान दिया है।

जीई एयरोस्पेस का पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र कंपनी की वैश्विक सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो वाणिज्यिक विमान इंजनों के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का उत्पादन करता है। यह संयंत्र भारत में जीई एयरोस्पेस के 2,200 से अधिक सप्लायर्स के व्यापक नेटवर्क के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर 300 से अधिक सप्लायर्स के साथ काम करता है। यह एडवांस मैन्युफैक्चरिंग विशेषज्ञता और प्रिसीजन इंजीनियरिंग क्षमताओं के माध्यम से वैश्विक एयरोस्पेस प्रोग्राम्स में भारत की भूमिका को मजबूत करने में मदद करता है।

यह संयंत्र कर्मचारियों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका दो साल का अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम हर साल 500 से अधिक अप्रेंटिस को क्लासरूम शिक्षा और साइट पर मौजूद समर्पित वेल्ड स्कूल के माध्यम से विशेष टीआइजी वेल्डिंग प्रशिक्षण देता है। वर्ष 2015 से अब तक इस संयंत्र ने 5,000 से अधिक प्रोडक्शन एसोसिएट्स को प्रशिक्षित किया है, जिससे भारत में एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्रतिभाओं की मजबूत पाइपलाइन तैयार हुई है। हाल ही में दिए गए सामुदायिक और वर्कफोर्स डेवलपमेंट ग्रांट्स ने भी इस क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास से जुड़ी पहलों को समर्थन दिया है।

आज की यह घोषणा भारत के प्रति जीई एयरोस्पेस की व्यापक प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, जहां कंपनी मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और सप्लाई चेन विकास में लगातार निवेश कर उड़ान के भविष्य को आकार देने में योगदान दे रही है।

भारतीय व्यवसायों के लिए वैश्विक विकास मंच के रूप में दुबई की भूमिका हुई और मजबूत

मुंबई, एजेंसी। दुबई चैंबर्स के तहत संचालित तीन चैंबरों में से एक, दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स ने घोषणा की है कि वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान 3,995 नई भारतीय कंपनियाँ चैंबर में शामिल हुई हैं। यह उल्लेखनीय वृद्धि चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापारिक परिस्थितियों के बीच भारत और दुबई के बीच लगातार मजबूत होते आर्थिक और कारोबारी संबंधों को दर्शाती है। मार्च 2026 के अंत तक दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के सक्रिय सदस्यों के रूप में पंजीकृत भारतीय कंपनियों की कुल संख्या बढ़कर 84,088 हो गई है, जिससे दुबई में सबसे बड़े विदेशी व्यापारिक समुदाय के रूप में भारत की स्थिति और अधिक मजबूत हुई है। भारतीय कंपनियों की लगातार बढ़ती उपस्थिति इस बात को दर्शाती है कि वे व्यापार की निरंतरता, वैश्विक विस्तार और दीर्घकालिक विकास के लिए दुबई को एक भरोसेमंद, स्थिर और रणनीतिक कारोबारी केंद्र के रूप में देख रही हैं। दुबई चैंबर्स के प्रेसिडेंट एवं सीईओ महामहिम मोहम्मद अली राशिद लूटा के मुताबिक तेजी से जटिल होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में कंपनियाँ अब उन बाजारों को प्राथमिकता दे रही हैं, जो स्पष्ट नीतियाँ, भरोसेमंद कारोबारी माहौल और निरंतर विकास की क्षमता प्रदान करते हैं। भारतीय व्यवसायों की लगातार बढ़ती मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि वे दीर्घकालिक सफलता के लिए दुबई पर कितना विश्वास करते हैं। दुबई कंपनियों को विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, चुस्त कारोबारी वातावरण और वैश्विक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है, जिससे वे बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। इसी मुद्दे पर आगे अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा भारत और दुबई के बीच साझेदारी मजबूत सांस्कृतिक रिश्तों और साझा आकांक्षाओं पर आधारित है। आने वाले समय में दुबई चैंबर्स भारतीय कंपनियों और निवेशकों को निरंतर सहयोग देने तथा दुबई के माध्यम से उनके वैश्विक विस्तार को गति देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। भारतीय व्यवसायों के लिए दुबई की सबसे बड़ी विशेषता केवल अवसर प्रदान करना नहीं।

छोटा भीम से लेकर कोकोमेलन तक: टाटा प्ले पर बच्चे सीख रहे हैं बहुत कुछ

मुंबई, एजेंसी। गर्मियों की छुट्टियाँ आ गई हैं। बच्चे टीवी के सामने बैठकर ज्यादा समय बिताने लगे हैं। ये दोनों सेवाएं बच्चों के लिए गेम्स और मनोरंजक कार्यक्रमों का बेहतरीन मिश्रण पेश करती हैं। इनमें एक्शन है, रेसिंग है, पहेलियों पर आधारित गेम्स हैं, कविताएं, कार्टून और बच्चों के सीखने के लिए वीडियो हैं। इनके माध्यम से बच्चे इस मंच पर आसानी से खोज भी कर सकते हैं और खेल भी सकते हैं। साथ ही, माता-पिता भी आसानी से अपने बच्चों के लिए ऐसे दिलचस्प कार्यक्रम खोज सकते हैं, जो उन्हें बहुत पसंद भी आएं और उनके विकास में भी सहायक हों। इस पेशकश में बच्चों की परिचित और पसंदीदा श्रृंखलाएं हैं। स्मार्ट गेम्स+पर छोटा भीम, रोल नं. 21, कुंभ करन, स्टीवन यूनिवर्स और रैगुलर शो 300 से अधिक गेम्स के साथ शानदार अनुभव प्रदान करेंगे। वहीं, फन लर्न छोटे बच्चों के लिए कोकोमेलन, लिटिल बेबी बम, शार्कसंस और ज़ैप्पी टून्स जैसे पसंदीदा शो लेकर आया है। इसके अलावा, कुछ बड़े बच्चों के लिए जंगल बुक, पॉ पैट्रोल, शिवा एंड रुद्रा भी उपलब्ध हैं।

सैमसंग ने भारत में 'प्रमाणित नवीकृत' प्रोग्राम लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। सैमसंग ने भारत में अपने प्रमाणित नवीकृत प्रोग्राम की शुरुआत की घोषणा की है। यह कंपनी-समर्थित पहल उपभोक्ताओं को अधिक किफायती कीमतों पर प्रीमियम गैलेक्सी स्मार्टफोन्स तक पहुंच प्रदान करती है, जिसमें गुणवत्ता, प्रदर्शन और भरोसेमंद अनुभव सुनिश्चित किया गया है। इस प्रोग्राम के तहत फ्लैगशिप और मिड-रेंज मॉडल्स सहित रिफर्बिश्ड गैलेक्सी डिवाइसेज़ उपभोक्ताओं को कम कीमतों पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि सैमसंग की विश्वसनीयता, सुरक्षा और बेहतर यूज़र एक्सपीरियंस के मानकों को बरकरार रखा जाएगा। प्रमाणित नवीकृत प्रोग्राम की शुरुआत प्रीमियम टेक्नोलॉजी तक पहुंच बढ़ाने, अधिक टिकाऊ प्रोडक्ट लाइफसाइकिल को समर्थन देने और रिफर्बिश्ड डिवाइस कैटेगरी में उपभोक्ताओं के भरोसे को मजबूत करने की दिशा में सैमसंग के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। सैमसंग इंडिया में डी2सी बिजनेस और कॉर्पोरेट मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड, सुमित वालिया ने कहा, सैमसंग में हमारा फोकस उपभोक्ताओं को हमारी टेक्नोलॉजी तक अधिक पहुंच प्रदान करने पर है, साथ ही गैलेक्सी डिवाइसेज़ से जुड़ी गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बनाए रखना भी हमारी प्राथमिकता है। प्रमाणित नवीकृत प्रोग्राम इसी सोच को दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से हर चीज हो जाएगी महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में महंगाई अब एक नई उलझन बन गई है। रिटेल मार्केट में तो सब कुछ सामान्य दिख रहा है, लेकिन थोक बाजार में महंगाई ने 42 महीने का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। पश्चिम एशिया के तनाव की वजह से कच्चा तेल 88 प्रतिशत महंगा हो गया है। जानकारों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल के दाम में हुई बढ़ोतरी और महंगे डीजल की वजह से अब जल्द ही सब्जियां, दूध और ट्रांसपोर्ट जैसी रोजमर्रा की चीजें आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने वाली हैं। दाम कुल 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ने का असर जल्द ही रिटेल महंगाई पर दिखेगा, जिससे आम आदमी के घर का बजट बिगड़ सकता है। जानकारों के मुताबिक, इससे महंगाई में करीब 20 बेसिस पॉइंट्स (0.20 प्रतिशत) की बढ़ोतरी हो सकती है।

कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यह उन चीजों की कीमतों को मापता है जो आम लोग रोज इस्तेमाल करते हैं, जैसे खाना, घर, ट्रांसपोर्ट, इलाज और पढ़ाई। आसान भाषा में कहें तो वो महंगाई है जो आम परिवार महसूस करते हैं।होलसेल प्राइस इंडेक्स यह थोक के स्तर पर कीमतों में होने वाले बदलाव को मापता है। इसमें ईंधन, कच्चा माल, धातु और कारखानों में बनने वाली चीजों के दाम शामिल होते हैं। इसे 'खतरे की घंटी' की तरह देखा जाता है। जब थोक में लागत बढ़ती है, तो आगे चलकर कंपनियां उसे ग्राहकों से ही वसूलती हैं।

अप्रैल में आंकड़े क्या रहे: अप्रैल 2026 में मामूली बढ़कर 3.48 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मार्च में 3.40 प्रतिशत थी। हालांकि, थोक महंगाई मार्च के 3.88 प्रतिशत से छलांग लगाकर अप्रैल में 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई।

नीव फाउंडेशन ने छह राज्यों में शुरू किया समर रिलीफ अभियान

मुंबई, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने के बीच, नीव फाउंडेशन ने भीषण गर्मी से प्रभावित लोगों, बाहरी श्रमिकों, लावारिस पशुओं और पक्षियों के लिए बड़े स्तर पर समर रिलीफ अभियान इस गर्मी, फर्क नजर आएगा शुरू किया है। यह अभियान राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र सहित छह राज्यों में चलाया जा रहा है। इस पहल पर बात करते हुए वंडर सीमेंट के डायरेक्टर और नीव फाउंडेशन के संस्थापक विवेक पटनी ने कहा भारत में गर्मियां लगातार ज्यादा कठिन होती जा रही हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो दिनभर खुले में काम करते हैं। इस अभियान के जरिए हमारा उद्देश्य उन लोगों तक तुरंत और आसान राहत पहुंचाना है जो कठिन मौसम के बावजूद हमारे शहरों को चलाए रखते हैं। सरल होती है चाहे वह एक गिलास पानी हो कुछ देर की छांव हो या मुश्किल समय में बुनियादी सहयोग।

● 5 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक का इंश्योरेंस कवरेज विकल्प

बजाज जनरल इंश्योरेंस पेश करता एमएचसीपी एज+ 5 करोड़ तक का शानदार हेल्थ प्लान कवरेज

पुणे , एजेंसी। बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व में बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के नाम से प्रचलित) भारत की एक अग्रणी और प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी है, जिसने आज ही'माय हेल्थ केयर प्लान एज+' (एमएचसीपी एज+)का शुभारंभ किया है। यह एक 'कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंडेमिनिटी' प्लान है, यानी कि यहआपकी सेहत के लिए खर्चों की भरपाई करने वाला प्लान है. इसे दिनोंदिन बढ़ते मेडिकलखर्चों के मद्देनज़र तैयार किया गया है। इसमें मौजूद सहूलियतों से न केवल आपकी जेब से होने वालों खर्चों में कमी आती है, बल्कि इसे आप अपनी ज़रूरत के मुताबिक ढाल भी सकते हैं. मज़बूत बुनियाद पर तैयार किया गया है। इसमें न केवल ज़रूरी देखभाल के लिए कवरेज मिलता है, बल्कि यह वैकल्पिक राइडर भी पेश करता है. इसलिए ग्राहक अपनी सेहत, उम्र और बजट की बदलती ज़रूरतों के मुताबिक इसे ढाल सकते हैं. यह पॉलिसी 5 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक के इंश्योरेंस कवरेज का विकल्प पेश करती है। इसके अलावा, पॉलिसी वर्ष के दौरान कवरेज को बार-बार शुरू करने

सुविधा भी उपलब्ध है। इससे यह बात पक्की होती है कि आप चाहे जितनी बार भी क्लेम कर लें, लेकिन आपको लगातार सुरक्षा मिलती रहेगी. बेस प्लान में अस्पताल में भर्ती होने से जुड़े सभी खर्चों के लिए व्यापक कवरेज मिलता है, जिसमें कमरे का किराया, आईसीयू की फीस, सर्जरी, आधुनिक उपचार पद्धति, आयुष उपचार और अस्पताल में भर्ती से पहले और बाद के खर्च शामिल किए जाते हैं।

'सितारे ज़मीन पर' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 31 मई को

मुंबई, एजेंसी। थियेटर और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज़बरदस्त सफलता के बाद, आमिर खान स्टारर सितारे ज़मीन पर अब अपने वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के लिए तैयार है। यह फिल्म रविवार, 31 मई को दोपहर 1 बजे सोनी मैक्स पर प्रसारित होगी। हंसी, खुशी और भावनाओं से भरपूर यह कहानी देशभर के परिवारों को एक साथ बैठकर देखने का मौका देगी। सितारे ज़मीन पर ने अपनी सच्ची और सरल कहानी से दर्शकों के दिलों को छुआ। इसने दिखाया कि हर परिवार की अपनी अलग पहचान और गर्माहट होती है सबका अपना नॉर्मल। फिल्म ने इन अहम मुद्दों पर बातचीत शुरू की और परिवारों के बीच जुड़ाव और अपनापन को खूबसूरती से दिखाया। फिल्म में साथ रहने और साथ निभाने की भावनाओं को जिस तरह से दिखाया गया है, उसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। फिल्म के केंद्र में आमिर खान का यह विश्वास है कि बच्चों और उनकी भावनाओं को कहानियों में सबसे पहले रखा जाना चाहिए। यही सोच सोनी मैक्स आगे बढ़ा रहा है, ताकि परिवार मिलकर इस फिल्म का अनुभव कर सकें। सितारे ज़मीन पर की कहानी है गुलशन अरोड़ा की, जो एक बास्केटबॉल कोच है। उसकी ज़िंदगी अचानक बदल जाती है जब एक ड्रंक-ड्राइविंग हादसे के बाद उसे कम्युनिटी सर्विस करनी पड़ती है।

अमेजन ने भारत में ऑल-न्यू फायर टीवी स्टिक एचडी लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। अमेजन ने भारत में ऑल-न्यू फायर टीवी

स्टिक एचडी लॉन्च कर दी है। यह अमेजन की अभी तक की सबसे तेज एचडी स्ट्रीमिंग स्टिक है, जो पिछली जनरेशन के मुकाबले 30 प्रतिशत ज्यादा तेज परफॉर्मेंस प्रदान करती है। इसकी मदद से ग्राहक एचडीआर10+ और वाई-फाई 6 सपोर्ट के साथ फुल एचडी स्ट्रीमिंग कर सकते हैं। यह ज्यादा स्लिम और पोर्टेबल डिज़ाईन में एक नया फायर टीवी एक्सपीरियंस प्रदान करती है तथा ज्यादा तेज एवं व्यवस्थित नैविगेशन के लिए बनाई गई है। फायर टीवी स्टिक एचडी की मदद से ग्राहक विभिन्न कंटेंट प्रदाताओं द्वारा पेश की जाने वाली लाखों मूवीज़ और टीवी एपिसोड स्ट्रीम कर सकते हैं। अमेज़न इंडिया की हेड, , सयंतनि चौधरी ने कहा, ''ग्राहक चाहते हैं कि उनका टीवी स्ट्रीमिंग का अनुभव बहुत तेज और रिस्पॉन्सिव हो। ऐप तेजी से लोड हों, कंटेंट आसानी से खोजा जा सके और स्ट्रीमिंग बहुत स्मूथ व लैगफ्री हो। हमारी लेटेस्ट फायर टीवी स्टिक एचडी से उनकी ये जरूरतें पूरी होती हैं। यह पिछली जनरेशन के मुकाबले औसतन 30 प्रतिशत ज्यादा तेज है और सुगम स्ट्रीमिंग के लिए हमारे नए व ज्यादा तेज फायर टीवी इंटरफेस के साथ आती है। यह हमारी अब तक की सबसे स्लिम और सबसे पोर्टेबल फायर टीवी स्टिक है, जो टीवी के पीछे आसानी से फिट हो जाती है और क्लटर-फ्री सेटअप प्रदान करती है।

वेस्ट मैनेजमेन्ट से जुड़ी सेवाओं में 61 फीसदी बढ़ोतरी सस्टेनेबिलिटी पर बढ़ते फोकस को दर्शाती है: जस्टडायल

मुंबई एजेंसी। भारत के नंबर 1 लोकल सर्च इंजन जस्टडायल लिमिटेड के अनुसार देश भर में वेस्ट मैनेजमेन्ट (अपशिष्ट प्रबन्धन) एवं सस्टेनेबिलिटी से जुड़ी सेवाओं की सर्च करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस विश्लेषण के तहत अप्रैल 2024-मार्च 2025 से अप्रैल 2025- मार्च 2026 के बीच सर्च वॉल्यूम की तुलना की गई, जिसके मुताबिक उपभोक्ताओं एवं कारोबारों में पर्यावरण के प्रति सजग तरीकों के बारे में जागरुकता बढ़ रही है, वे पर्यावरण अनुकूल तरीकों को अपना रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर वेस्ट मैनेजमेन्ट से जुड़ी सर्च में 36 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो अपशिष्ट के संगठित निपटान, रीसायक्लिंग समाधानों तथा अपशिष्ट की हैंडलिंग के लिए सस्टेनेबल तरीकों के बढ़ते अडॉप्शन को दर्शाती है। दिल्ली इस दृष्टि से सबसे मजबूत मार्केट के रूप में उभरा जहां 61 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, इसके बाद बैंगलोर में 35 फीसदी और पुणे में 34 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। मुंबई में 26 फीसदी, चेन्नई में 28 फीसदी और हैदराबाद में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ये आंकड़े मुख्य शहरी केन्द्रों में बढ़ती जागरुकता का संकेत हैं। इस बीच देश भर में स्क्रैप डीलरों की सर्च में भी 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे साफ है कि उपभोक्ता रीसायक्लिंग और डिस्पोज़ल के ज़िम्मेदाराना तरीकों को अपना रहे हैं। चेन्नई 41 फीसदी बढ़ोतरी के साथ इस कैटेगरी में सबसे आगे रहा, इसके बाद बैंगलोर और दिल्ली दोनों शहरों में 26 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई। हैदराबाद में 23 फीसदी बढ़ोतरी हुई, वहीं पुणे और मुंबई में क्रमश: 19 फीसदी और 18 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एनटीआर स्टारर प्रशांत नील की फिल्म 'ड्रैगन' की पहली झलक आई सामने, फैंस का इंतजार हुआ खत्म!

'ड्रैगन' यकीनन आने वाले समय की सबसे मोस्ट-अवेटेड फिल्मों में से एक है, जो इंडस्ट्री की दो सबसे बड़ी ताकतों 'मैन ऑफ द मासेस' एनटीआर और विजनरी फिल्ममेकर प्रशांत नील को एक साथ ला रही है। एक ग्रैंड सिनेमाई एक्सपीरियंस होने का वादा करने वाली यह फिल्म, बड़े पर्दे पर लार्ज-स्केल एंटरटेनमेंट की परिभाषा को एक नए लेवल पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। 19 मई को रात 11:52 बजे आने वाली इसकी पहली झलक को लेकर फैंस का एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर था, और आखिरकार वो घड़ी आ ही गई। 20 मई को एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर, यह पहली झलक एक धमाकेदार ट्रीट के रूप में सामने आई है, जो कि सच में बेहद शानदार और एक्स्ट्राऑर्डिनरी है। घोषणा के बाद से ही इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया से लेकर हर तरफ जबरदस्त माहौल बना हुआ है, और फैंस इसके हर एक अपडेट का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब इंडस्ट्री के दो इतने दमदार और पावरहाउस नाम एक साथ आ रहे हों, तो जाहिर है कि 'ड्रैगन' सबसे मोस्ट-अवेटेड फिल्मों की लिस्ट में टॉप पर जगह बना चुकी है। दर्शक बड़े पर्दे पर इस मेगा कोलैबोरेशन के धमाके को देखने के लिए अब और इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'ड्रैगन' में एनटीआर लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण 'माइथ्री मूवी मेकर्स' और 'एनटीआर आर्ट्स' के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म कुल 5 भाषाओं में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

रिद्धि डोगरा

ने बताया खुद से प्यार करने का हुनर

अकेले रहना कमजोरी नहीं ताकत है

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अकेले रहना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। रिद्धि ने लिखा, 'जब आप अकेले किसी कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ वक्त बिताने से डरना बंद कर देते हैं, तो दुनिया आपको खतरनाक समझने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आप समाज की बनाई पुरानी सोच से अलग हटकर जीना शुरू कर देते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'जब आप खुद के साथ खुश रहना सीख जाते हैं, तो आप दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से आजाद हो जाते हैं। तब आप दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी नहीं जीते। 'अभिनेत्री ने बताया कि इस दौरान आपको लोग पसंद तो आते हैं, लेकिन आप उन्हें बांधकर रखने की जिद नहीं करते और जरूरत पड़ने पर उन्हें छोड़ना भी सीख जाते हैं। फिर भी आपके दिल में उनके लिए प्यार कम नहीं होता। उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर लोग इस तरह नहीं सोचते, इसलिए उन्हें समझ नहीं आता कि आपके साथ कैसे पेश आएं। 'रिद्धि ने पोस्ट के अंत में लिखा, 'ऐसा नहीं है कि जिंदगी ने आपको अकेलापन नहीं दिया, बल्कि आपने उस अकेलेपन को अपना दोस्त बना लिया। उसके साथ वक्त बिताया और उसे अपनी छोटी-सी खूबसूरत कहानी बना लिया। 'रिद्धि डोगरा की इस पोस्ट को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। लोग कमेंट्स में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रिद्धि डोगरा कई लोकप्रिय रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वह अपने तत्कालीन पति राकेश बापट के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 6 (2013-14) और स्टंट आधारित शो फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 6 (2015) में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वह द 50 में भी दिखाई दी थीं। यह शो कलर्स टीवी और जियोसिनेमा पर प्रसारित हुआ था।

लुटेरी दुल्हन

पूजा गौर बनीं निडर इंस्पेक्टर

टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्रा पूजा गौर जल्द ही वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में नजर आएंगी। इसमें वह सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव के किरदार में दिखेंगी। इस सीरीज की कहानी रहस्य, क्राइम और समाज की सोच के ईद-गिर्द घूमती नजर आएगी। सीरीज में पूजा गौर का किरदार एक निडर और मजबूत पुलिस अधिकारी का है, जिसे मध्य प्रदेश में हो रही अजीब और रहस्यमयी घटनाओं की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। कहानी उन मामलों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां दुल्हनें शादी के बाद अपने दूल्हों को लूटकर अचानक गायब हो जाती हैं। इन घटनाओं के चलते इलाके में डर का माहौल है। ऐसे में संध्या यादव इस रहस्य की सच्चाई तक पहुंचने की कोशिश करती नजर आएंगी। अपने किरदार को लेकर बात करते हुए पूजा गौर ने कहा, ''मुझे इस कहानी की सबसे खास बात इसकी भावनात्मक गहराई लगी। संध्या एक मजबूत पुलिस अफसर है, लेकिन वह अंदर से कई भावनात्मक संघर्षों से भी गुजर रही होती है। संध्या बाहर से निडर और सख्त दिखाई देती है, लेकिन भीतर ही भीतर वह समाज के फैसलों, उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से लड़ रही होती है।''अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे संध्या का किरदार इसलिए पसंद आया, क्योंकि वह सिर्फ एक केस सुलझाने की कोशिश नहीं करती, बल्कि वह अपनी पहचान के लिए भी लड़ रही है। समाज अक्सर महिलाओं को सीमित नजरिए से देखता है, लेकिन संध्या उन सोचों को चुनौती देती है।''पूजा गौर ने बताया, ''सीरीज में संध्या और माया के बीच का रिश्ता कहानी को और ज्यादा दिलचस्प बनाता है। दोनों किरदार कानून के अलग-अलग पक्षों में खड़े हैं, लेकिन दोनों की जिंदगी पर समाज और पितृसत्तात्मक सोच का असर पड़ा है। यही भावनात्मक टकराव इस कहानी को अलग बनाता है।'

सेलिना जेटली

मां बगलामुखी के दरबार में पहुंची, लगाई गुहार

अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी में काफी कठिन दौर से गुजर रही हैं। इस मुश्किल घड़ी से उबरने के लिए अभिनेत्री मां बगलामुखी देवी के दर्शन करने पहुंचीं, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी में चल रहे संघर्ष के खत्म होने की कामना की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा का वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में सेलिना माता रानी के गर्भगृह के सामने हाथ जोड़कर खड़ी नजर आ रही हैं। माता रानी के सामने वह काफी भावुक दिखीं और उनकी आंखें नम थीं। मंदिर की परंपरा के अनुसार, उन्होंने सिर पर पीले रंग की चुनरी ओढ़ रखी थी। वहीं, उनके आसपास मौजूद पुजारी पूरी निष्ठा के साथ मंत्रोच्चारण कर रहे थे। वीडियो पोस्ट कर सेलिना ने अपने दिल का हाल बयां करते हुए लिखा, 'मां बगलामुखी के गर्भगृह में बैठकर मैंने दिव्य मां के चरणों में प्रार्थना की। मैंने अपने भाई से दोबारा मिलने, बच्चों के साथ फिर से जुड़ने और उस रिश्ते को वापस पाने की गुहार लगाई, जिसे भाग्य को कभी अलग नहीं करना चाहिए। 'उन्होंने आगे लिखा, 'मैं यह पवित्र पूजा उन सभी लोगों के साथ साझा करती हूं, जो मां बगलामुखी का आशीर्वाद, सुरक्षा, न्याय और अपने प्रियजनों को फिर से पाने की शक्ति चाहते हैं। 'सेलिना का यह पोस्ट उनके शुभचिंतकों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट सेक्शन में उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि उनकी जिंदगी की सभी परेशानियां जल्द ही दूर हो जाएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने यह जानकारी नहीं दी कि वह मां बगलामुखी के किस मंदिर में गई थीं। मां बगलामुखी के तीन प्रमुख और सिद्ध मंदिर माने जाते हैं, जहां दूर-दूर से भक्त पूजा और अनुष्ठान के लिए पहुंचते हैं। इनमें मां बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा, श्री बगलामुखी मंदिर बनखंडी और पीताम्बरा पीठ शामिल हैं। मां बगलामुखी दस महाविद्याओं में से आठवीं महाविद्या मानी जाती हैं। उन्हें 'स्तंभन शक्ति और शत्रुओं का नाश करने वाली देवी' के रूप में पूजा जाता है। उनके प्रमुख मंदिर मुख्य रूप से तंत्र साधना, मनोकामना पूर्ति और कोर्ट-कचहरी व राजनीतिक विजय से जुड़ी मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध हैं।

मंगल भवन अमंगल हारी

अस्पताल में भर्ती की खबरों के बीच अमिताभ बच्चन ने शेयर किया ब्लॉग

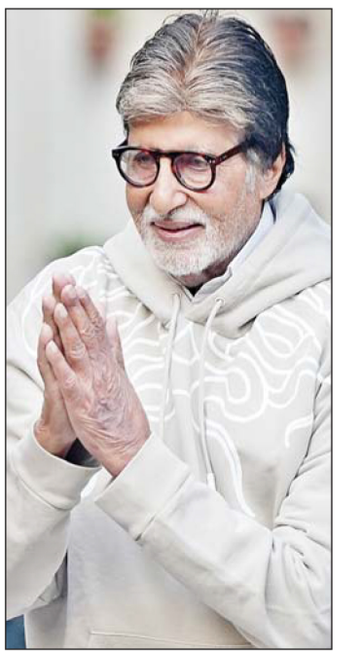

अमिताभ बच्चन के अस्पताल में भर्ती होने की खबरों के बीच, महानायक ने 'रामचरितमानस' की कुछ पंक्तियों के साथ एक छोटी कविता शेयर की है और सभी को अपना प्यार और शुभकामनाएं भेजी हैं। एक खबर के अनुसार अमिताभ पेट से जुड़ी परेशानी के कारण अमिताभ बच्चन को 16 मई को नानावटी अस्पताल के वीआईपी विंग में भर्ती कराया गया था। हालांकि, बाद में बताया गया कि उन्होंने सिर्फ रूटीन चेक-अप कराया था। जांच पूरी होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और वे घर लौट आए। हालांकि अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग की शुरुआत इस डेटलाइन से की 'पील पिलवाड़ी, ' इसके बाद अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'मंगल भवन अमंगल हारी। 'इसके बाद अमिताभ बच्चन ने एक कविता लिखी – 'जब चील शांत हो जाती है, तब तोते बोलना शुरू कर देते हैं। फिर लोग इधर-उधर की बातें करने लगते हैं और माहौल बनाने लगते हैं। ' उन्होंने कहा, 'बाजरे दी रोटी खा दी, फू पडियों दा साग रे। मुंह में डालन लागे जैसे, बोलन लागे काग रे!! एक रहे 'हिल' भैया की पढाई का दर्पण; और दूसरे वेलिंग्टन की याद!! 'उन्होंने अपनी पोस्ट का अंत इन शब्दों के साथ किया- 'प्यार, दुआएं और बहुत सारी शुभकामनाएं। 'काम की बात करें तो अमिताभ बच्चन आखिरी बार वेट्टैयन में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन टी. जे. ज्ञानवेल ने किया था। फिल्म में रजनीकांत, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, ऋतिका सिंह, दुशारा विजयन, रोहिणी, राव रमेश, अभिरामी और रमेश थिलक भी अहम भूमिकाओं में थे। वह फिलहाल फिल्ममेकर नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' से जुड़े हुए हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी नजर आएंगे। खबरों के मुताबिक, वह नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं। बताया जा रहा है कि यह कलाकार इस फिल्म में जटायु का किरदार निभाएंगे। अमिताभ बच्चन को आखिरी बार छोटे पर्दे पर हाल ही में समाप्त हुए टीवी गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में देखा गया था। यह शो 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' फ्रेंचाइजी का आधिकारिक हिंदी रूपांतरण है।

पैपराजी की हरकत पर नाराज हुए सलमान खान

सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर दी सख्त चेतावनी

अभिनेता सलमान खान ने अस्पताल में पैपराजी के व्यवहार और प्राइवेसी को लेकर नाराजगी जताई थी। वहीं, उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए पैपराजी के रवैये पर अपनी गहरी निराशा जाहिर की। दरअसल, अभिनेता ने लगातार चार पोस्ट किए, जिनमें उन्होंने पैपराजी को समझाने के लिए एक खास नोट लिखा। पहली पोस्ट में सलमान ने लिखा, 'अगर मैं अस्पताल में किसी मीडिया वाले को मेरे दर्द का मजा लेते हुए देखूं, तो मुझे बहुत दुख होगा। जिन पत्रकारों का मैंने हमेशा साथ दिया, उनसे बात की, उनका ध्यान रखा और यह सुनिश्चित किया कि उनका भी घर-परिवार अच्छे से चले।' उन्होंने दूसरी पोस्ट में लिखा, 'लेकिन अगर कोई मेरे दुख और नुकसान से पैसे कमाना चाहता है, तो कम से कम चुप रहे, उसका मजाक या तमाशा न बनाए। भाई, भाई, भाई... ये कोई फिल्म का सीन नहीं है। तस्वीर ज्यादा जरूरी है या किसी की जिंदगी? 'सलमान ने आगे लिखा, 'ऐसे में मैं सौ बातें सुना दूंगा। भाई के दुख पर फायदा उठाने की कोशिश अगली बार मेरे साथ मत करना... बस कोशिश भी मत करना। जब तुम्हारे अपने घर का कोई अस्पताल में होगा, तब क्या मैं भी ऐसा ही बर्ताव करूंगा? 'अपनी आखिरी पोस्ट में अभिनेता ने चेतावनी देते हुए लिखा, 'मैं 60 साल का हो गया हूं, लेकिन लड़ना अभी भी नहीं भूला... ये याद रखना और अगर जेल में डालोगे, तो वहां भी डटकर खड़ा रहूंगा। 'सलमान की पोस्ट पर फैंस और सेलेब्स ने जमकर प्रतिक्रिया दी। नगमा मिराजकर, राखी सावंत समेत कई कलाकारों ने कमेंट किए। बता दें सलमान खान किसी से मिलने के लिए एक अस्पताल गए थे। जाते समय पैपराजी ने उन्हें घेर लिया, तो उन्होंने कूल अंदाज में पोज भी दिए। हालांकि, लौटते समय जब पैपराजी तस्वीर लेने के लिए जोर-जोर से सलमान का नाम और उनकी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' का नाम लेने लगे, तो अभिनेता नाराज हो गए। सलमान ने अपनी कार आगे बढ़ाते हुए गुस्से में पैपराजी को तमीज से पेश आने की नसीहत दी। इस दौरान सलमान ने उनसे पूछा, 'पागल हो क्या?' इसके बाद पैपराजी ने माफी मांगी और वीडियो बनाना बंद कर दिया।

सलमान खान

(साभार एजेंसी)

ऋषभ पंत की फिसली जुबा

प्रेजेंटेशन में लखनऊ टीम के लिए बोल गए अपशब्द

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की 13 मैचों में नौवीं हार के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में टीम के लिए अपशब्द बोल गए। आईपीएल2026 में वे प्लेऑफ की दौड़ से बहुत पहले ही बाहर हो चुके हैं। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे है और अब इस सीजन के खत्म होने से पहले उन्हें सिर्फ एक आखिरी मैच की औपचारिकता पूरी करनी है।

पंत शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जब उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे अभी हमारी स्थिति कैसी भी हो। हमारी टीम जैसी है, हमें पता है कि हम जीत सकते हैं। चाहे कुछ भी हो, हम टीम और खिलाड़ी के तौर पर बहुत आत्मविश्वासी हैं। चीजें हमारे हिसाब से नहीं गई और ये सब जानते हैं, लेकिन इससे ये सच नहीं बदलता कि हम एक (अपशब्द) अच्छी टीम हैं।'

एलएसजी की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। खुद पंत का सीज़न बेहद खराब रहा है, जहां उन्होंने 12 पारियों में सात बार 20 या उससे कम रन बनाए। उनके आसपास के बड़े खिलाड़ी, जैसे- निकोलस पूरन भी फॉर्म में नहीं दिखे। यहां तक कि मिचेल मार्श, जिन्होंने हाल ही में शतक लगाया था और मंगलवार को 96 रन बनाए, उनका भी इस आईपीएल में आगाज धीमा रहा था। टीम डायरेक्टर टॉम मूडी ने माना कि खासकर मध्य क्रम का ख़राब प्रदर्शन, टीम के इस औसत प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा, जिसकी वजह से टीम लगातार अंक तालिका के निचले हिस्से में रही।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ बल्लेबाजों ने ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के सामने बुरी तरह दबाव में आ गए। सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाए जबकि जायसवाल ने 23 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। ऋक्रके सलामी बल्लेबाजों ने 221 रन के लक्ष्य में से 75 रन सिर्फ 39 गेंदों में ही जोड़ दिए।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

शानदार जीत से खत्म की सीरीज

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने भोपाल में खेले गए चार मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर शानदार अंदाज में जीत दर्ज की। उदय दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय साई सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मेहमान टीम को पूरी तरह दबाव में रखा।

हालांकि मैच की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ने शानदार अंदाज में की। पहले क्वार्टर के आठवें मिनट में ऑरोरा कोवासेविच ने गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई। लेकिन भारतीय कप्तान स्वीटी कुजूर ने 13वें मिनट में बराबरी का गोल कर टीम को मैच में वापसी दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने पलटा मैच - पहले क्वार्टर के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ता गया। दूसरे क्वार्टर में दीया ने 25वें मिनट में गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और ऑस्ट्रेलियाई टीम को ज्यादा मौके नहीं दिए।

दूसरे हाफ में भारत का दबदबा - तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज ने 44वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को और मजबूत कर दिया। वहीं अंतिम क्वार्टर में नौशीन नाज ने 50वें मिनट में गोल दागकर भारत की 4-1 की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारतीय टीम ने पूरे दूसरे हाफ में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और ऑस्ट्रेलिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीती - हालांकि भारत ने आखिरी मुकाबला जीत लिया, लेकिन चार मैचों की सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम की। पहले मैच में भारतीय टीम को 3-4 से करीबी हार मिली थी। इसके बाद दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-1 से हराया। तीसरे मैच में भी भारतीय टीम संघर्ष के बावजूद जीत हासिल नहीं कर सकी।

वनडे टीम से पांच बाहर;, रोहित-हार्दिक के खेलने पर भी संशय

टीम इंडिया में 4 नए खिलाड़ियों की एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 14 जून से तीन वनडे मैचों की सीरीज भी टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेलने उतरेगी। इन दोनों सीरीज के लिए 19 मई (मंगलवार) को टीम इंडिया का ऐलान किया गया है। वनडे और टेस्ट दोनों टीमों की कमान शुभमन गिल संभालेंगे। जबकि चार नए चेहरे इन दोनों सीरीज में नजर आने वाले हैं।

वनडे से 5 खिलाड़ियों की छुट्टी

भारत ने पिछली वनडे सीरीज आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी। उस सीरीज में शामिल यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत और चोटिल हर्षित राणा बाहर हो गए हैं। इशान किशन की बतौर सेकंड विकेटकीपर टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे का पहली बार भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है।

हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या का भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है। मगर दोनों खिलाड़ियों को सब्जेक्ट टू फिटनेस टीम में जगह मिली है, यानी वे दोनों अगर फिट हुए तो ही प्लेइंग 11 में खेल पाएंगे। आईपीएल 2026 में दोनों को इंजरी से जूझते देखा गया है। रोहित वापसी कर चुके हैं लेकिन बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेल रहे हैं। जबकि हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं।

कौन से 4 नए खिलाड़ी शामिल

भारतीय टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है। इसके चलते मानव सुतार और गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में जगह मिली है। जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह कुलदीप यादव बतौर सीनियर स्पिनर हैं और हर्ष दुबे का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। वनडे टीम में भी गुरनूर और हर्ष शामिल हैं, प्रिंस यादव नए चेहरे के रूप में वनडे टीम में नजर आएंगे।

किशन की वनडे टीम में वापसी

950 दिन पहले अफगानिस्तान के खिलाफ ही खेला था अंतिम मैच

नई दिल्ली। इशान किशन की पहले टी20 टीम में वर्ल्ड कप से पहले वापसी हुई। अब जब तैयारी शुरू होनी है वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तो उनका अब एकदिवसीय स्क्वाड में भी चयन हो गया है। इशान ने अपना आखिरी वनडे मैच 11 अक्टूबर 2023 को वनडे वर्ल्ड कप में ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। अब ठीक 950 दिन बाद ही उनका फिर से भारतीय वनडे टीम में चयन हो गया है। इशान किशन को टीम में बतौर सेकंड विकेटकीपर और बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया है। रोहित शर्मा की फिटनेस के आधार पर उनका सेलेक्शन हुआ है। अगर रोहित फिट नहीं होते हैं तो उनका प्लेइंग 11 में खेलने पर संशय है।

इशान किशन का वनडे रिकॉर्ड

इशान किशन को भारत के 2023 वनडे वर्ल्ड कप के स्क्वाड में भी बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया था। उन्होंने डेंगू से पीड़ित शुभमन गिल की जगह पहले दो मैच भी खेले थे। आखिरी बार वह वनडे टीम में अफगानिस्तान के खिलाफ ही नजर आए थे। इशान ने भारत के लिए अभी तक 27 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इशान के नाम 27 वनडे मैचों की 24 पारियों में 42.40 की औसत और 102.19 के स्ट्राइक रेट से 933 रन दर्ज हैं। उन्होंने वनडे में सात अर्धशतक और एकमात्र शतक लगाया है जो उनकी इस फॉर्मेट में एकमात्र डबल सेंचुरी भी था। किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ 210 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। उसके बाद से वह सिर्फ दो वनडे मैच ही खेले थे और अब तकरीबन तीन साल बाद वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बन चुके हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का स्क्वाड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप

हारा पाकिस्तान, पर नुकसान भारत को हुआ, छठे स्थान पर खिसका

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	न्यूजीलैंड	3	2	0	1	28	77.78
3	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
4	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
5	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
6	भारत	9	4	4	1	52	48.15
7	इंग्लैंड	10	3	6	1	38	31.67
8	पाकिस्तान	4	1	3	0	4	8.33
9	वेस्टइंडीज	8	0	7	1	4	4.17

सिलहट (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। सिलहट टेस्ट में 78 रन की जीत के साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया। हालांकि इस नतीजे का असर भारत पर पड़ा, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, जबकि भारत को नुकसान झेलना पड़ा।

बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप की

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने आखिरी दिन संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम रिकॉर्ड रन चेज पूरा करने में नाकाम रही।मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालते हुए शानदार 94 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को ऐतिहासिक जीत नहीं दिला सके। रिजवान के आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गई और बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया।

रिजवान ने दिखाई लड़ाई, लेकिन नहीं मिला साथ

437 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने पांचवें दिन 316/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुरुआत में रिजवान को जीवनदान भी मिला, जब मेहदी हसन मिराज ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद रिजवान और साजिद खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। साजिद खान 28 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद रिजवान अकेले लड़ते रहे, लेकिन शोरीफुल इस्लाम की गेंद पर आउट होकर शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रन बनाए। आखिर में ताइजुल ने खुर्रम शहजाद का विकेट लेकर बांग्लादेश को 78 रन की शानदार जीत दिलाई।

ताइजुल इस्लाम बने जीत के हीरो

बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर ताइजुल इस्लाम रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ताइजुल ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और अहम मौकों पर विकेट निकाले।

अनिल कुंबले ने माना, क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं वैभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना ??है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं।

इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल हैं। इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की।

'मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए जल्दबाजी नहीं -वैभव सूर्यवंशी - राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में तहलका मचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद वैभव ने अपनी पारी को लेकर बड़ा बयान दिया और बताया कि उन्होंने शुरुआत में संयम से बल्लेबाजी क्यों की।वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपनी ताकत पर पूरा भरोसा था और वह जानते थे कि वह किसी भी समय लगातार चौके-छक्के लगा सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में जल्दबाजी नहीं की और विकेट पर समय बिताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यही थी कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं। इसलिए मैंने शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं की और मैच को आखिर तक ले जाने की कोशिश की।

फुटबॉल इतिहास की दर्दनाक कहानी

आत्मघाती गोल और मौत का 'फरमान'

जिसे दुनिया ने 'जेंटलमैन' माना, लेकिन देश बचा नहीं पाया

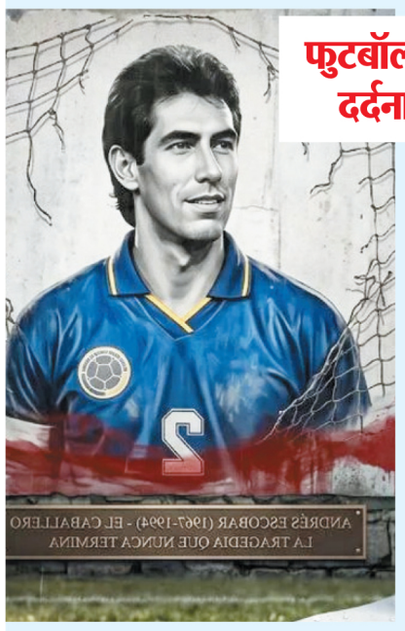

नई दिल्ली। आंद्रेस एस्कोबार को दुनिया फुटबॉल के सबसे सभ्य और शांत खिलाड़ियों में गिनती थी। मैदान पर ईमानदारी से खेलने और अच्छे व्यवहार की वजह से उन्हें 'द जेंटलमैन' कहा जाता था। हालांकि, 1994 FIFA World Cup (फीफा विश्व कप) में एक गलती के कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। फीफा विश्व कप में आत्मघाती गोल कथित तौर पर उनकी मौत का कारण बना। अमेरिका के खिलाफ मैच में हुई उस गलती के बाद कोलंबिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गया और सिर्फ पांच दिन बाद एस्कोबार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। माना गया कि यह हत्या उसी 'आत्मघाती गोल' और उससे जुड़े सट्टे में हुए नुकसान का बदला थी। फुटबॉल इतिहास की यह घटना आज भी दुनिया की सबसे दर्दनाक खेल घटनाओं में गिनी जाती है।

सामान्य परिवार से निकला फुटबॉल का 'जेंटलमैन'

आंद्रेस एस्कोबार का जन्म 13 मार्च 1967 को कोलंबिया के मेडेलिन शहर में हुआ था। वह एक सामान्य परिवार में पले-बढ़े। स्कूल के दिनों से ही वह फुटबॉल खेलते थे और बाद में यही उनका करियर बन गया। उनके पिता डारियो एस्कोबार बैंकर थे। डारियो एस्कोबार ने एक ऐसा संगठन बनाया था, जो युवाओं को सड़कों पर भटकने के बजाय फुटबॉल खेलने का मौका देता था। उनके भाई सैंटियागो एस्कोबार भी फुटबॉलर रहे। बाद में वह टीम मैनेजमेंट में चले गए।

वर्ल्डकप से लौटने के पांच दिन बाद हत्या

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद आंद्रेस एस्कोबार ने लास वेगास में अपने रिश्तेदारों से मिलने के बजाय कोलंबिया लौटने का फैसला किया। एक जुलाई 1994 की रात वह अपने दोस्तों के साथ इलाके के एक बार में गए। बाद में वह एक शराब की दुकान और फिर एक नाइटक्लब पहुंचे। कुछ समय बाद उनके दोस्त अलग हो गए। सुबह करीब 3 बजे आंद्रेस एस्कोबार नाइटक्लब के पार्किंग एरिया में अपनी कार के पास पहुंचे थे। आंद्रेस एस्कोबार वहां अकेले थे, तभी तीन लोग वहां पहुंचे और उनसे बहस करने लगे। दो लोगों ने पिस्तौल निकाल ली। आंद्रेस एस्कोबार को 0.38 कैलिबर की पिस्तौल से छह गोलियां मारी गईं।

- **वह आत्मघाती गोल जिसने सब कुछ बदल दिया**- 1994 फीफा वर्ल्ड कप में कोलंबिया का दूसरा ग्रुप मैच मेजबान अमेरिका के खिलाफ था। इसी मुकाबले में आंद्रेस एस्कोबार से वह आत्मघाती गोल हुआ, जो बाद में उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी बन गया। अमेरिकी मिडफील्डर जॉन हार्क्स के क्रॉस को रोकने की कोशिश में आंद्रेस एस्कोबार ने गेंद को गलती से अपने ही गोलपोस्ट में पहुंचा दिया।

प्रधानमंत्री मोदी यात्रा करेंगे तो एस्टोनिया को बहुत खुशी होगी : विदेश मंत्री मार्गस

» तालिन्न, भाषा।

एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहकना ने भारत और एस्टोनिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए भारत से और अधिक उच्च स्तरीय यात्राओं का आह्वान किया और कहा है कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस उत्तरी यूरोपीय देश का दौरा करते हैं तो एस्टोनिया को बहुत खुशी होगी। त्साहकना ने यहां एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि एस्टोनिया 2027 में यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन का आयोजन कर रहा है और उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत भी युद्धग्रस्त देश यूक्रेन की पुनर्निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनेगा। एस्टोनिया के विदेश मंत्री ने कहा, भारत एस्टोनिया का एक बहुत अहम साझेदार है। हमारे स्तर बिल्कुल अलग हैं, एस्टोनिया की जनसंख्या 13 लाख है जबकि भारत की जनसंख्या 14 अरब है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है। हमारे राष्ट्रपति (अलार कारिस) फरवरी में एआई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत में थे।

व्यापारिक दृष्टि से हमारे द्विपक्षीय संबंध मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा, चाहे रक्षा उद्योग हो, आईटी हो या एआई , एस्टोनिया निवेश के लिए एकदम सही जगह है। हमारे पास ई-रेजिडेंसी कार्यक्रम है जिसके माध्यम से भारतीय कंपनियां और लोग निवासी बन सकते हैं और हमारे शानदार स्टार्टअप वातावरण का हिस्सा बन सकते हैं। त्साहकना ने कहा, मैं भारत की आर्थिक वृद्धि और आर्थिक विकास पर भारतीय सरकार के नेतृत्व को देख रहा हूं। ये ऐसा है जिसमें हमारी कंपनियां बहुत रुचि रखती हैं। ई-रेजिडेंसी कार्यक्रम विदेशी नागरिकों को सरकार की तरफ से जारी एक सुरक्षित डिजिटल पहचान देता है। इसके माध्यम से उद्यमी पूरी तरह ऑनलाइन तरीके से ईयू आधारित कोई कंपनी स्थापित कर सकते हैं और उसका प्रबंधन कर सकते हैं, ताकि दुनिया में कहीं से भी दस्तावेज दस्तखत करने, बैंकिंग और टैक्स फाइलिंग जैसी प्रक्रियाएं आसान हो जाती हैं। मंत्री ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, हम वैश्विक प्रवृत्ति देख रहे हैं, भारत इस क्षेत्र में अधिक से अधिक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एस्टोनिया, भारतीय कंपनियों के लिए ईयू बाजारों का प्रवेश द्वार है। इसलिए दोनों तरफ से दिलचस्पी है। यह पूछे जाने पर कि क्या संबंधों को मजबूत करने के लिए और अधिक उच्च स्तरीय दौरों की आवश्यकता है और क्या प्रधानमंत्री मोदी भविष्य में एस्टोनिया का दौरा कर सकते हैं, तो त्साहकना ने कहा कि उनका देश ऐसे दौरे का गर्मजोशी से स्वागत करेगा। उन्होंने कहा, अगर प्रधानमंत्री मोदी एस्टोनिया आते हैं तो हमारे देश को बहुत खुशी होगी। हम उनका हार्दिक स्वागत करेंगे और विदेश मंत्री (एस. जयशंकर) का भी स्वागत है। एस्टोनिया में जितने अधिक उच्च स्तरीय दौरे होंगे, उतना ही अच्छा होगा। अब तक भारत से किसी भी प्रधानमंत्री ने एस्टोनिया का दौरा नहीं किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली के राष्ट्रपति से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की

रोम, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला से मुलाकात की और व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत-इटली साझेदारी को और बढ़ाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी 15-20 मई तक अपने पांच देशों के दौरे के आखिरी चरण में मंगलवार को इटली पहुंचे। इससे पहले वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड्स, स्वीडन और नॉर्वे की यात्रा पर थे। मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मटारेला के साथ भारत-इटली की मित्रता से जुड़े अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक संपर्क शामिल हैं। मोदी ने कहा, हमने इस बारे में बात की कि हमारे देश एआई, महत्वपूर्ण खनिजों, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कैसे मिलकर काम कर सकते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक, दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार साझा किए। जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, दोनों नेताओं ने भारत-इटली की मजबूत और टिकाऊ साझेदारी को फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि मोदी और मटारेला ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, एआई और संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्रों पर बातचीत की। इटली में भारतीय दूतावास के मुताबिक, हाल के सालों में भारत और इटली के बीच आर्थिक जुड़ाव बढ़ा है और 2025 में दोनों देशों का व्यापार 14.25 अरब यूरो तक पहुंच गया। भारत का निर्यात 8.55 अरब यूरो रहा, जबकि 2025 में इटली का भारत को निर्यात 5.70 अरब यूरो दर्ज किया गया, जो 2024 के मुकाबले 9.42 प्रतिशत ज्यादा है। दोनों देशों ने 2029 तक सालाना द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इटली यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और उसने अपनी वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत भारत को प्राथमिकता वाले देशों में से एक माना है।

इटली दौरे में मेलोडी टॉफी को लेकर मेलोनी ने जताया मोदी का आभार

रोम, भाषा। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने मेलोडी टॉफी भेंट किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। इस हल्के-फुल्के पल ने सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं से जुड़े चर्चित मेलोडी शब्द को फिर से चर्चा में ला दिया। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत ही अच्छी टॉफी लेकर आए हैं मेलोडी। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, उपहार के लिए धन्यवाद। बुधवार को अपलोड किए गए इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी भी नजर आते हैं और मेलोनी के मेलोडी टॉफी के जिक्र पर हंसते दिखाई देते हैं। मोदी और मेलोनी के नामों के संयोजन के तौर पर मेलोडी हैशटैग पहली बार इटली की प्रधानमंत्री ने 2023 में दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन के दौरान गढ़ा था।

यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए भारत के पास रूस पर दबाव बनाने की क्षमता है : एस्टोनिया

» तालिन, भाषा।

एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस साकना ने कहा है कि भारत के पास यूक्रेन संघर्ष को समाप्त कराने के लिए रूस पर दबाव बनाने की क्षमता है और शांति लाने के प्रयासों में नई दिल्ली एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अंततः रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अत्याचार रोकना होगा। साकना ने यह भी कहा कि एस्टोनिया 2027 में यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन का आयोजन करने वाला है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत भी युद्धग्रस्त देश के पुनर्निर्माण में भागीदार बन सकता है। क्षेत्र में शांति लाने में भारत की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि रूस चार वर्षों से अधिक समय से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए है।

उन्होंने कहा कि संघर्ष को समाप्त करने के लिए रूस पर अधिक दबाव डालने या उससे बातचीत करने के मामले में भारत के पास क्षमता है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, लेकिन सच कहूं तो, इस युद्ध को अभी समाप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ही हैं। यूरोप और एस्टोनिया के लिए रूस एक सीधा खतरा है। हम यूरोप में कोई युद्ध नहीं चाहते, लेकिन दुर्भाग्य से, हमें (युद्ध) का सामना करना पड़ रहा है। साकना ने कहा कि रूस पर अपना रुख और लक्ष्य बदलने के लिए किसी भी तरह का दबाव स्वागत योग्य होगा, क्योंकि यूक्रेन और यूरोप शांति चाहते हैं। यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस आयोजन में विश्व के नेता, दानदाता और निजी कंपनियां एक साथ आएंगी। यह दावा करते हुए कि यूक्रेन का पुनर्निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मार्शल योजना के बाद यूरोप की सबसे बड़ी परियोजना होगी, उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत भी इसमें शामिल होगा। मार्शल योजना एक अमेरिकी पहल थी जिसे 1948 में पश्चिमी यूरोप को विदेशी सहायता प्रदान करने के लिए लागू किया गया था। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद, अमेरिका ने यूरोप के आर्थिक पुनरुद्धार कार्यक्रमों के तहत 17 यूरोपीय देशों को 13.3 अरब अमेरिकी डॉलर हस्तांतरित किए थे। एस्टोनिया आए भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बात करते हुए साकना ने दावा किया कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की स्थिति अस्थिर है और मॉस्को पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर हो गई है।

पूर्वी तुर्किए में 5.6 तीव्रता का भूकंप, स्कूल खाली कराए गए

इस्तांबुल, भाषा। तुर्किए के पूर्वी हिस्से में बुधवार को 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। आपातकालीन सेवाओं ने यह जानकारी दी। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने बताया कि मलात्या प्रांत के बत्तालगाजी जिले में सुबह नौ बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जमीन से सात किलोमीटर की गहराई में स्थित था। हालांकि तत्काल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली, लेकिन टीवी फुटेज में स्कूलों को खाली कराते और लोगों को घबराकर घरों से बाहर निकलते देखा गया। तुर्किए भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है। वर्ष 2023 में 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में तुर्किए में 53 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और दक्षिणी तथा दक्षिण-पूर्वी 11 प्रांतों में लाखों इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई थीं।

पेरू में 5.8 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें क्षतिग्रस्त

लीमा (पेरू), भाषा। दक्षिणी पेरू के प्रशांत क्षेत्र में मंगलवार देर रात 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के कारण कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई और 27 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से जनहानि की कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र पम्पा डे टाटे शहर से 20 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व के इका क्षेत्र में 56.5 किलोमीटर की गहराई पर था। पेरू के रक्षा मंत्री ए. फ्लोरेस ने शहर का दौरा किया और सैन लुइस गोंजागा विश्वविद्यालय सहित कुछ क्षतिग्रस्त इमारतों का निरीक्षण किया।

मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से वार्ता की

रोम, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित व्यापक वार्ता की। मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मंगलवार रात रोम पहुंचे थे। मेलोनी के साथ बातचीत के लिए पहुंचने पर मोदी को रस्मी सलामी गारद दी गई। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला से मुलाकात की तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत-इटली साझेदारी को और बढ़ाने पर चर्चा की। इससे पहले, मोदी ने कहा था कि उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और इटली के बीच सहयोग को मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं : शरद पवार

मुंबई, (भाषा)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि भले ही उनकी राजनीतिक सोच नरेन्द्र मोदी से अलग हो, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रधानमंत्री के रूप में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। मंगलवार शाम यहां आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब भी राष्ट्रीय हित में सामूहिक रूप से काम करने का अवसर मिले, सभी को एक साझा उद्देश्य के साथ आगे आना चाहिए और देश की प्रतिष्ठा मजबूत करने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह जैसे नेताओं ने हमेशा देश के भविष्य और उसकी प्रतिष्ठा को अपने नेतृत्व के केंद्र में रखा। पवार ने कहा, भारत की प्रतिष्ठा को बचाने की बात आए तो राजनीतिक मतभेद आड़े नहीं आने चाहिए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशों में देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारी राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन जब बात राष्ट्र के सम्मान की हो, तब राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। राज्यसभा सदस्य पवार पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे रुरल डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित पूर्व राज्य और जिला पदाधिकारियों के सम्मान एवं मैत्री समारोह को संबोधित कर रहे थे। हालांकि, शिवसेना नेता संजय राउत ने पवार के बयान से असहमति जताई। प्रधानमंत्री को सवालों का जवाब देना चाहिए। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह विदेश यात्राओं के दौरान हमेशा प्रेस से बातचीत करते थे। वे सवालों के जवाब देने से नहीं भागते थे। पवार ने कहा कि कार्यक्रम में मौजूद कई लोगों ने अपने जीवन के सबसे ऊर्जावान वर्ष युवा कांग्रेस और अन्य संगठनों को दिए और अब वे अलग-अलग राजनीतिक दलों में काम कर रहे हैं। अपने शुरुआती राजनीतिक सफर को याद करते हुए पवार ने कहा 1958 में जब वह 18 वर्ष के थे, तब वह बारामती से पुणे आए क्योंकि उस समय उनके गृह नगर में कोई कॉलेज नहीं था। उन्होंने बताया कि वह युवा आंदोलन से जुड़े, चार साल बाद पुणे शहर में युवा कांग्रेस के प्रमुख बने और बाद में महाराष्ट्र युवा कांग्रेस का नेतृत्व करने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी काम किया। वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी युवावस्था की सबसे यादगार घटनाओं में से एक दिल्ली स्थित तीन मूर्ति हाउस में जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात थी। उन्होंने याद किया, हम किसानों और युवाओं के मुद्दों पर कई सवाल तैयार करके गए थे, लेकिन जब पंडित नेहरू आए, तो उनके प्रभावशाली व्यक्तित्व के कारण हम सब कुछ भूल गए जो भी हम कहना चाहते थे। पवार ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा एक प्रसंग भी सुनाया, जब वह तत्कालीन सोवियत संघ की आधिकारिक यात्रा पर थीं और उन्हें लगा कि भारत के प्रधानमंत्री को उचित सम्मान नहीं दिया गया। पूर्व राजनयिक और प्रधानमंत्री आई के गुजराल के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए पवार ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सोवियत अधिकारियों से कहा था कि वह 40 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करती हैं और उनके सम्मान के साथ किसी भी तरह की अनदेखी स्वीकार नहीं करेंगी। पवार ने इंदिरा गांधी के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा, मैं भारत के 40 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करती हूं। यदि उनकी प्रतिष्ठा का सम्मान नहीं किया जाएगा, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगी। उन्होंने कहा, यदि राष्ट्रीय हित में सामूहिक रूप से काम करने का अवसर मिले, तो आप सभी एक साझा उद्देश्य के साथ भाग लें और देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने में योगदान दें।

चीन और रूस दोनों ही ईरान के प्रमुख रणनीतिक साझेदार

शी चिनफिंग ने पश्चिम एशिया में सभी प्रकार की शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच बुधवार को पश्चिम एशिया में शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया और कहा कि स्थिति एक नाजुक मोड़ पर पहुंच गई है। चिनफिंग ने यहां अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत की। पीपुल्स ग्रेट हॉल में पुतिन का स्वागत करते हुए शी चिनफिंग ने कहा कि खाड़ी और पूरे पश्चिम एशिया में लड़ाई को रोकना होगा और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत जारी रहनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि संघर्ष का शीघ्र अंत ऊर्जा आपूर्ति, औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था में होने वाली बाधाओं को कम करने में सहायक होगा।

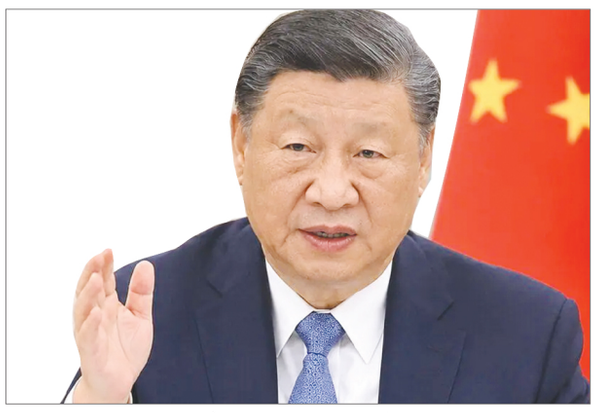

शी चिनफिंग और पुतिन के बीच वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 14-15 मई को चीन यात्रा के कुछ दिनों बाद हुई, जिसमें उन्होंने ईरान-इजराइल संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य और द्विपक्षीय व्यापारिक तनावों पर चीनी नेता के साथ व्यापक चर्चा की थी। इस बैठक पर करीब से नजर रखी जा रही है, क्योंकि चीन और रूस दोनों ही ईरान के प्रमुख रणनीतिक साझेदार हैं और उनके ईरान के साथ घनिष्ठ आर्थिक और सैन्य संबंध हैं और वे होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के ईरान के कड़े रुख को प्रभावित कर सकते हैं, जिसने एक बड़ा वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। शी चिनफिंग ने अंतरराष्ट्रीय स्थिति को अस्थिर और उथल-पुथल भरी बताया और ट्रंप की नीतियों की परोक्ष रूप से आलोचना करते हुए कहा कि एकपक्षवाद और वर्चस्ववाद फिर से उभर रहे हैं। उन्होंने कहा, फिर भी शांति, विकास और सहयोग लोगों की आकांक्षा बने हुए हैं। चीन-रूस के बीच घनिष्ठ समन्वय का आह्वान करते हुए शी चिनफिंग ने कहा कि दोनों देशों को मिलकर वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक न्यायसंगत तथा तर्कसंगत बनाने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों और विश्व के प्रमुख देशों के रूप में चीन और रूस को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, उच्च गुणवत्ता वाले व्यापक रणनीतिक समन्वय के माध्यम से अपने-अपने देशों के विकास और पुनरुत्थान को आगे बढ़ाना चाहिए, तथा वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और तर्कसंगत बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन की यात्रा के दौरान लगभग 40 समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। पुतिन की चीन की यह 25वीं यात्रा है। उन्होंने शी चिनफिंग को अपना प्रिय मित्र बताया और दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच घनिष्ठ समन्वय और सहयोग को रेखांकित किया। रूसी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, अपने उद्घाटन संबोधन में पुतिन ने कहा, माननीय राष्ट्रपति शी चिनफिंग, प्रिय मित्र यहां एक चीनी कहावत का उपयोग करना उचित होगा चीन में लोग कहते हैं, एक दिन की दूरी तीन शरद ऋतुओं जितनी लंबी लगती है। उन्होंने कहा, हम वास्तव में आपसे मिलकर बहुत खुश हैं, और हम लगातार व्यक्तिगत रूप से भी तथा अपने सहयोगियों के माध्यम से भी आपसी तालमेल बनाए रखते हैं। दोनों नेताओं ने 25 वर्ष पहले हस्ताक्षरित चीन-रूस सद्भावना और मैत्रीपूर्ण सहयोग संधि को आगे भी बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

पश्चिम बंगाल की सरकार राष्ट्रवादियों की होगी : शुभेंदु

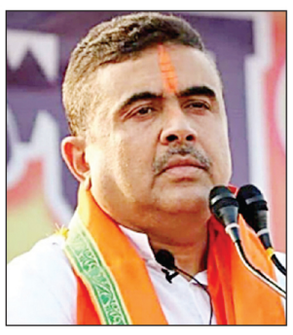

सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल), (भाषा)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार राष्ट्रवादियों की होगी और वह भारतीय परंपरा और संस्कृति को कायम रखेगी। शुभेंदु ने कहा कि नवगठित भाजपा सरकार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करेगी। मुख्यमंत्री बनने के बाद अपने पहले दौरे पर उत्तर बंगाल पहुंचने पर भाजपा कार्यालय में अपने संबोधन में अधिकारी ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जो घोषणाएं की थी उनका लाभ लोगों को मिलना शुरू हो गया है। नई सरकार ने अन्नपूर्णा योजना शुरू करने का फैसला किया है, जिसके तहत ममता बनर्जी सरकार की लक्ष्मीर भंडार योजना में महिलाओं को दी जाने वाली ।,500 रुपए की आर्थिक सहायता को दोगुना करके 3,000 रुपए प्रति माह कर दिया गया है। सरकार ने महिलाओं के लिए सरकारी बसों में यात्रा निःशुल्क कर दी है और राज्य में आयुष्मान भारत योजना शुरू करने की घोषणा की है।

» सरकार ने महिलाओं के लिए सरकारी बसों में यात्रा निःशुल्क कर दी है और राज्य में आयुष्मान भारत योजना शुरू करने की घोषणा की है

डीआरडीओ ने यूएवी से दागी जाने वाली सटीक निर्देशित मिसाइल के अंतिम परीक्षण पूरे किए

नई दिल्ली (भाषा)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मानव रहित हवाई यान (यूएवी) से दागी जाने वाली सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 के हवा से जमीन और हवा से हवा मोड में विकास संबंधी अंतिम परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि ए परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल के निकट डीआरडीओ के परीक्षण क्षेत्र में एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) का उपयोग करके किए गए, जिसके माध्यम से यूएलपीजीएम हथियार प्रणाली का नियंत्रण किया गया। मंत्रालय के अनुसार, जीसीएस में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे तैयारी और प्रक्षेपण संबंधी प्रक्रियाओं का स्वचालन संभव हुआ। मंत्रालय ने कहा, डीआरडीओ ने यूएलपीजीएम-वी3 के अंतिम विकास परीक्षण हवा से जमीन और हवा से हवा मोड में सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

आने वाले दिनों में देश में हो सकती उर्वरकों की कमी : अशोक गहलोत

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने बुधवार को यूरिया और अन्य उर्वरकों की संभावित किल्लत की चेतावनी देते हुए सरकार से किसानों को इनकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया।गहलोत ने एक बयान में कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों दोनों को इस मुद्दे पर किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि देश आने वाले समय में यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की भारी कमी का सामना कर सकता है, क्योंकि भारत इनकी आपूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है और वर्तमान में आयात प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, जब उर्वरकों की आपूर्ति सामान्य रहती थी तब भी किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था। संभावित कमी की स्थिति में हालात चिंताजनक हो सकते हैं। गहलोत ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि समय पर उर्वरक उपलब्ध कराए। उन्होंने मांग की कि सरकारें किसानों को जागरूक करें और ऐसे फसलों की खेती को प्रोत्साहित करें जिनमें कम उर्वरक की जरूरत होती है। इस संकट के समय सरकार जितनी पारदर्शिता से काम करेगी और लोगों को भ्रम में रखने के बजाय स्पष्ट जानकारी देगी, उतना ही सभी के लिए स्थिति से निपटना आसान होगा।

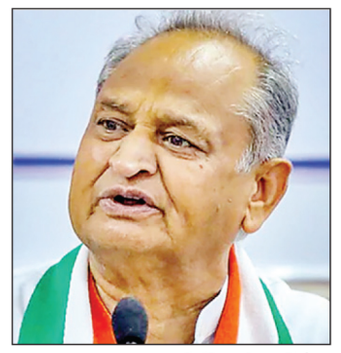

» यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह समय पर उर्वरक उपलब्ध कराए

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com